



खतरनाक पार्किंग ...

शहर में अब यातायात के मामले में नियंत्रण से बाहर होते जा रहे हैं। बढ़ते चौपहिया वाहन एवं उनकी रेलमपेल पार्किंग अब समस्या को सुरसा बनाती जा रही है। एक समय था जब शहर में एक चौपहिया वाहन अगर गलत पार्किंग किया जाता था तो कुछ ही देर में यातायात के नियमों की जानकारी वहीं पहुंच जाती थी और खतरनाक पार्किंग का चालान बन जाता था। ऐसे में अगर वाहन मालिक कोई विवाद करता तो दुसरे दिन समाचार पत्रों की सुर्खियों में भी आ जाता था। समय बदला और वाहनों की संख्या इतनी हो गई की नए शहर की चौड़ी सड़कों पर भी वाहन नहीं समा रहे हैं। यहां भी चौपहिया मनमाफिक जगह पर खड़ी की जा रही है। यहां तक की आधी सड़क तक वाहनों की पार्किंग हो रही है और शेष बची सड़क से क्षेत्र की वर्दी का वाहन बमुश्किल निकल पा रहा है। उस पर भी वर्दी के वाहन का चालक कुछ बोलने की स्थिति में भी नहीं है। अपरांह के समय में शहर के फ्रीगंज क्षेत्र में एक बार तफरीह के लिए आप निकलेंगे तो ऐसे एक नहीं अनेक दृश्यों से आप रुबरु होंगे। इस दौरान चौपहिया वाहन चालकों को सड़क पर पार्किंग को लेकर न तो कोई नियम पालन का स्मरण रहेगा और न ही वे उसका चालन करेंगे। अगर फुटपाथ पर दुसरा वाहन पार्क है तो उसके बाजू में ही आधी सड़क तक खतरनाक स्थिति में वाहन पार्क करना शान समझा जाएगा। खास तो यह है कि शब्दों में स्मार्ट शहर के सीसी टीवी कैमरा मात्र दिखावे के ही रह गए हैं। कैमरे से कभी आनस्पार्ट कार्रवाई करने का भी चलना होना चाहिए। जिसमें हाथों-हाथ ही यातायात के अपराध करने वालों को आनस्पार्ट ही पकड़ा जाए और दंडित किया जाए। टावर पर बाबा साहब के सामने वाले हिस्से में नगर की संस्था ने कार्रवाई की थी। एक बार फिर से यहां नगर सेवा का स्टाप संचालित हो रहा है। यहां अवैध पार्किंग चल रही है। रोटरी के लिए सुरक्षा गार्ड रखने का बोला गया था लेकिन अब भी रोटरी में अंजाने लोग जमे रहते हैं। खुसूर-फुसूर है कि चौपहिया वाहनों के चालक अब वजनदारी वाले हो गए हैं। उनके जेब भारी हैं। नियम वाली वर्दी मात्र आउटर मार्ग तक एवं ग्रामीणों तक सिमट कर रह गई है। ग्रामीणों को नियम सिखाए और याद दिलाए जाने के काम में व्यस्त हैं। खतरनाक रूप से शहर में वाहनों की पार्किंग करने वाले जेक के नियमों के जानकारी हैं।

त्योंहार एक, लेकिन उसके रंग पूरी दुनिया में भिन्न

दुनिया के कुछ देश गर्मियों मे मनाते हैं क्रिसमस

पं राहुल शुक्ल ▶▶ उज्जैन

जहां पूरी दुनिया मे क्रिसमस कंपकंपाती ठंड मे मनाया जाता है वहीं कुछ देशो मे क्रिसमस भीषण गर्मियों मे आता है। पृथ्वी के उत्तरी और दक्षिणी गोलार्द्ध मे मौसम एकदम विपरीत होते हैं। जब पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध मे ठंड का मौसम रहता है तब दक्षिणी गोलार्द्ध मे भीषण ग्रीष्म ऋतु होती है। इसी के कारण दक्षिण गोलार्द्ध मे स्थित देशों मे माह दिसम्बर गर्मियों मे आता है। दक्षिण गोलार्द्ध मे स्थित देश आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ब्राजील, अर्जेन्टीना व मेडागास्कर ऐसे देश हैं जहां दिसम्बर मे भीषण गर्मी होती है अतः ये देश गर्मियों मे क्रिसमस मनाते हैं।

सुनहरी धूप मे क्रिसमस ट्री

सबसे मजेदार बात तो ये है कि आमतौर पर क्रिसमस ट्री ठंडे प्रदेश का वृक्ष है और स्नोफाल वाले क्षेत्र मे इसे दिखाया जाता है किन्तु आस्ट्रेलियाई लोग सुनहरी धूप मे क्रिसमस ट्री को खूबसूरत ढंग से समुद्र तट पर सजाते हैं। कहीं कहीं पर कृत्रिम स्नोफाल के दृश्य भी प्रस्तुत किए जाते हैं।

न्यूजीलैंड मे फोटूकावा वृक्ष

न्यूजीलैंड मे स्थानीय फोटूकावा पेड़ को क्रिसमस ट्री का प्रतिरूप बनाकर सजाया जाता है। लाल रंग के फूल वाला ये वृक्ष बहुत सुन्दर होता है। माओरी परंपरा के अनुसार क्रिसमस गीत गाए जाते हैं।

गर्मियों के कारण डेजर्ट फूड

आस्ट्रेलियाई व न्यूजीलैंडर्स गर्मी के मौसम मे क्रिसमस मनाते हैं तो डिशेंस भी दूसरे देशों से अलग

होती हैं। प्रायः ठंडे मांस व पेय के साथ त्योंहार मनाया जाता है। सबसे ज्यादा हेमटर्की मीट, सीफूड जैसे झींगा व ओयस्टर के व्यंजन बनाए जाते हैं और परीसे जाते हैं। विभिन्न फ्लेवर की आइस्क्रोम व ठंडी शराब के साथ क्रिसमस मनाया जाता है।

सर्फिंग व कीकायकिंग

इन दोनो देशों मे क्रिसमस के उपलक्ष्य मे रोमांचक खेल जैसे सर्फिंग व कीकायकिंग आदि समुद्र मे आयोजित किए जाते हैं जिसका लुत्फ उमंग के साथ लोग उठाते हैं।

आर्मेनिया मे जनवरी मे क्रिसमस

कुछ देशों मे पुरातन जूलियन कैलेण्डर को मान्यता है जो ग्रेगेरियन कैलेण्डर से भिन्न है। जूलियन कैलेण्डर अनुसार प्रभु ईसा का जन्म 6 जनवरी माना गया है इसलिए आर्मेनिया व यूक्रेन आदि देशों मे क्रिसमस 6 जनवरी को मनाया जाता है। त्योंहार एक ही है किन्तु उसके रंग पूरी दुनिया मे भिन्न हैं।

बीच पार्टियों के साथ क्रिसमस

आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड मे क्रिसमस अलग ढंग से मनाया जाता है। इन दोनो देशों मे चूंकि क्रिसमस के समय भीषण गर्मी होती है तो यहां के ईसाई क्रिसमस पर समुद्रतट पर बीच पार्टियां आयोजित कर क्रिसमस मनाते हैं। समुद्र तट पर क्रिसमस कैरोल गीत बजते रहते हैं और खान पान चलता रहता है। आउटडोर एक्टिविटीज के साथ क्रिसमस का लुत्फ उठाया जाता है।

एयरपोर्ट की तर्ज पर लगाए गए टैनसाइल फैब्रिक शेड

नगर निगम का चक्रतीर्थ पर सौंदर्यकरण कार्य पूर्ण, 01 करोड़ से अधिक की लागत से कार्य करवाए गए

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

चक्रतीर्थ पर नगर निगम ने सौंदर्यकरण कार्य को अंजाम दिया है। इन कार्यों में चक्रतीर्थ पर एयरपोर्ट की तर्ज पर टैनसाइल फैब्रिक शेड लगाए गए हैं। दाह संस्कार स्थल पर पुराने पत्तरे के शेड को हटाया जाकर नए शेड लगवाए गए हैं। बैठने के लिए पर्वाण कुर्सियां, रंगाई पुताई, टॉयलेट निर्माण एवं संधारण कार्य, ओटलों का निर्माण उनकी रंगाई पुताई एवं मार्किंग कार्य इत्यादि आवश्यक कार्य करवाए गए हैं।

चक्रतीर्थ पर शव यात्रा के साथ आने वाले लोगों को अब यहां बहुत कुछ बदला झ्रबदला सा नजर आ रहा है। यहां नागरिकों की सुविधा को दृष्टित रखते हुए उज्जैन नगर पालिक निगम द्वारा महापौर मद से 76 लाख रुपए की राशि से 80 मीटर लंबे स्पेशल डोम टेंसाइल फैब्रिक शेड निर्माण का कार्य भी इसी क्रम में करवाया गया है। यहां पर निगम मद से 25 लाख रुपए की लागत से अन्य आवश्यक कार्य करवाए गए हैं जिसमें

दाह संस्कार के स्थान पर जो पुराने पत्तरे के शेड थे उन्हें हटाया जाकर नए शेड लगवाए गए हैं, बैठने के लिए पर्वाण कुर्सियां, रंगाई पुताई, टॉयलेट निर्माण एवं संधारण कार्य, ओटलों का निर्माण उनकी रंगाई पुताई एवं मार्किंग कार्य इत्यादि आवश्यक कार्य करवाए गए हैं।

सुंदरता एवं प्राकृतिक बचाव दोनों

महापौर मुकेश टटवाल ने बताया

कि एयरपोर्ट की तर्ज पर चक्रतीर्थ पर टैनसाइल फैब्रिक शेड निर्माण का कार्य किया गया है जिससे यहां आने वाले नागरिकों को गर्मी, धूप एवं बारिश से बचाव होगा साथ ही चक्रतीर्थ की सुंदरता भी बढ़ेगी। शेड निर्माण के लिए पूर्ण सुरक्षा एवं सावधानी रखी गई है पाइप लगाए जाने के लिए 6 फीट नीचे गड्ढे करते हुए पाइप लगाए गए हैं। यह शेड सालों साल चलेगा। इसमें किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आएगी।

यहां आने वाले नागरिक स्वच्छता के साथ-साथ शांति का अनुभव करेंगे।

01 माह में पूर्ण होगी कानीपुरा एलेआईजी युनिट-आयुक्त

कानीपुरा स्थित एलआईजी श्रेणी के 48 आवासीय यूनिटों का कार्य 01 माह की समय अवधि में पूर्ण करना होगा। वर्तमान में 70 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है। साथ ही एक फ्लैट एवं दुकान का मॉडल पूर्ण रूप से तैयार करके रखें ताकि यहां आने हितग्राही फ्लैट एवं दुकान का मॉडल देख सकें। 15 दिनों में कानीपुरा के फ्लैटों की नीलामी हेतु निविदा आमंत्रित किए जाने के निर्देश निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा संबंधित अधिकारियों को दिए गए। बुधवार को निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत कानीपुरा, मंछामन एवं अलखधाम स्थित प्रचलित निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

साध्वी प्राची सिंह बोली केरला स्टोरी, कश्मीर फाइल्स को झूठा कहने वाले देख लें बांग्लादेश स्टोरी

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

जहां भी संख्या बल कम होता है वहां हिंदू समाज को प्रताड़ित किया जाता है। जो लोग केरला स्टोरी और कश्मीर फाइल्स को झूठा कह रहे थे वो आज हकीकत में बांग्लादेश स्टोरी देख लें। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही क्रूरता ना केवल निंदनीय है बल्कि बेहद दर्दनाक और शर्मनाक भी है।

उक्त बातें उज्जैन महाकाल दर्शन के लिए जा रही प्रखर हिंदूवक्ता साध्वी प्राची सिंह ने बुधवार को

शाजापुर अल्प प्रवास के दौरान पत्रकारों से चर्चा में कहीं। उन्होंने स्थानीय मां राजराजेश्वरी माता मंदिर में दर्शन भी किए। इस दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए साध्वी प्राची सिंह ने बांग्लादेश की घटना पर बुद्धिजीवी वर्ग की चुप्पी को देश के लिए अत्यंत दुःखद बताया। उन्होंने कहा कि मैं भारत की सरकार से निवेदन करती हूं कि समय आ गया है अब फाटक खोल दें ताकि बांग्लादेश में प्रताड़ित हो रहे हिंदू अपने राष्ट्र में सुरक्षित रह सकें। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश में हो रहे हिंदू समाज के नरसंहार को लेकर सेक्यूलर

गैंग खामोश बैठी है। बिहार में नीतीश कुमार के नकाब हटाने पर बवाल करने वाले बांग्लादेश में दीपूदास के सरेआम जिंदा जलाए जाने पर गूंग-बहरे हो गए हैं। नितेश कुमार ने नकाब हटाकर क्या गलत किया उन्होंने यही देखा कि नकाब में डिग्री लेने वाली सलमा है या नकाब की आड़ में कोई सलमान डिग्री लेने आ गया। पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाए जाने के सवाल पर भी साध्वी प्राची सिंह ने बेबाकी से कहा कि हिंदुस्तान में किसी आक्रांता की विचारधारा के लिए कोई स्थान ना कभी था, ना है और ना हो कभी रहेगा।

25 दिसंबर : तुलसी पूजन दिवस

सनातन धर्म में तुलसी पौधे का विशेष महत्व

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

सनातन धर्म में तुलसी पौधे का विशेष महत्व माना जाता है और इसकी पूजा अन्य देवी-देवताओं की तरह की जाती है। हर साल 25 दिसंबर को तुलसी पूजन दिवस मनाया जाता है। इस बार यह दिन गुरुवार को पड़ रहा है, जो भगवान विष्णु की पूजा के लिए सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। श्री विष्णु को तुलसी अति प्रिय है, ऐसे में इस दिन का महत्व और बढ़ जाता है।

तुलसी पूजन दिवस पर करें ये उपाय

इस बार गुरुवार को तुलसी पूजन दिवस मनाया जा रहा है, ऐसे में आप इस दिन सुबह स्नान करने के बाद पीले रंग के वस्त्र को धारण करें। अब आप माता तुलसी की पूजा अर्चना करें और 3 या 7 बार परिक्रमा करें। इस उपाय के करने से आपको तुलसी माता

के साथ-साथ प्रभु श्रीहरि की कृपा प्राप्त होती है।

दूर होगी नकारात्मक ऊर्जा

तुलसी दिवस पर सूर्यास्त के बाद तुलसी के समक्ष गाय के घी का दीपक जरूर जलाना चाहिए। ऐसा करने से घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति मिल जाएगी। इसके साथ ही सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहता है।

इन बातों का रखें ख्याल

शुभ फलों की प्राप्ति के लिए तुलसी पूजन दिवस के दिन कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। ध्यान रहे कि बिना स्नान किए तुलसी को स्पर्श ना करें। इसके साथ ही कभी भी सूर्यास्त के बाद तुलसी में जल न अर्पित करें। रविवार, अमावस्या और एकादशी के दिन तुलसी में जल अर्पित नहीं करना चाहिए।

साल 2026 में गुरु का बड़ा खेल, 3 राशियों का बदलेगा भाग्य, मिलेगी समृद्धि या झेलना होगा संकट

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

वैदिक ज्योतिष में गुरु ग्रह को भाग्य, ज्ञान, धर्म, विवाह, संतान, धन और आध्यात्मिक उन्नति का कारक माना जाता है। गुरु ग्रह जहां पर बैठते हैं, वहां पर विकास, विस्तार और सीख का मार्ग खोलते हैं। वहीं जब गुरु ग्रह शुभ होते हैं, तो जातक के जीवन में सुख-समृद्धि, मान-सम्मान और उन्नति आती है। बता दें कि साल 2026 में बृहस्पति का गोचर तीन राशियों में होने जा रहा है। साल की शुरुआत में गुरु ग्रह का गोचर मिथुन राशि में रहेगा।

फिर 02 जून 2026 को गुरु ग्रह अपनी उच्च राशि कर्क में प्रवेश करेंगे। वहीं 31 अक्तूबर 2026 को गुरु ग्रह कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। इसके बाद 13 दिसंबर 2026 को गुरु ग्रह सिंह राशि में वक्री हो जाएंगे। ऐसे में गुरु ग्रह का यह परिवर्तन सभी राशियों को प्रभावित करने वाला है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि गुरु ग्रह का यह गोचर राशियों पर कैसा प्रभाव दिखाएगा।

मिथुन राशि

इस दौरान गुरु आपकी राशि के 12वें

भाग में गोचर करेंगे। इस गोचर से खर्च बढ़ेंगे और अस्पताल या विदेश यात्रा का योग बन सकता है। वहीं इस राशि के लोग मानसिक रूप से अस्थिर और अकेलापन महसूस कर सकते हैं। आपको धन के मामले में थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि आपका बजट बिगड़ सकता है। हालांकि यह समय आध्यात्मिक विकास के लिए काफी अहम है।

पूजा-पाठ, ध्यान और एकांत आपके लिए लाभकारी होगा। विदेश से जुड़े कार्यों में लाभ मिल सकता है। वहीं नौकरी में दबाव बढ़ सकता है, लेकिन आप इसको धैर्यपूर्वक संभाल लेंगे। यह आपको अधूरे कार्यों को

समेटने का समय है। न कि कोई बड़े निर्णय लेने का समय है।

कर्क राशि

कर्क राशि वाले जातकों के लिए यह पूरा साल काफी सर्वश्रेष्ठ होगा। गुरु आपकी राशि में उच्च होकर आएंगे। जिससे जीवन में नई ऊर्जा और पॉजिटिव बदलाव महसूस करेंगे। इस दौरान कर्क राशि के जातकों का आत्मविश्वास बढ़ेगा, हेल्थ में सुधार होगा और खुद को पहले से ज्यादा स्थिर और मजबूत पाएंगे।

इस दौरान कर्क राशि के जातकों को उन्नति के मौके मिलेंगे, समाज में

मान-सम्मान बढ़ेगा। विवाह के योग्य हो चुके लोगों के लिए अच्छे रिश्ते आएंगे। व्यापार में वृद्धि होगी और आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। इस दौरान आप जो भी काम करेंगे, उनमें अधिक सफलता मिलने की संभावना है। यह नई शुरुआत, आत्म-विकास और जीवन को एक नई दिशा देने का सबसे अच्छा समय साबित हो सकता है।

सिंह राशि

इस अवधि में गुरु ग्रह आपके दूसरे भाव में गोचर करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आय के भी स्रोत बढ़ेंगे। बचत बनने लगेगी और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। आपकी वाणी का प्रभाव बढ़ेगा। साथ ही सिंह राशि के जातकों को नौकरी में वेतन वृद्धि या फिर बोनस मिलने की संभावना है।

व्यापारियों को नए ग्राहक और आर्थिक सफलता मिलने के योग हैं। इस अवधि में परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा और आपकी सलाह को महत्व मिलेगा। इस समय किया गया निवेश आपके भविष्य में लाभ दे सकता है। माता-पिता का आशीर्वाद आपके साथ रहेगा। कुल मिलाकर यह समय परिवार और धन दोनों मामले में स्थायित्व और संतुलन लेकर आएगा।

CMYK

CMYK

महाकाल मंदिर में अब नहीं होगी भस्म आरती की ऑनलाइन बुकिंग

दैनिक अवन्तिका ▶ उज्जैन

उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में नववर्ष पर भीड़ को देखते हुए 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक भस्म आरती की ऑनलाइन बुकिंग बंद कर दी है। 10 दिन के लिए यहां नियमों में बदलाव हुआ है। इस बार नए साल पर 10 लाख श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान है। उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में नववर्ष को देखते हुए भस्म आरती की दर्शन व्यवस्था में बड़ी बदलाव किया गया है। बुधवार को यानि 25 दिसंबर से भस्म आरती की ऑनलाइन बुकिंग 10 दिनों के लिए बंद रहेगी। इसके लिए अब या तो श्रद्धालुओं को ऑफलाइन परमिशन लेनी होगी। या फिर चलित भस्म आरती से ही श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन कर पाएंगे। श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक ने जानकारी देते हुए बताया- नववर्ष पर बाबा महाकाल के दर्शन



चलित भस्म आरती होगी शुरू

भले ही ऑनलाइन भस्म आरती की बुकिंग नहीं हो पाएगी। लेकिन बाबा महाकाल के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को निराश होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति के द्वारा चलित भस्म आरती की शुरूआत इन 10 दिनों के दौरान की जाएगी। जिसमें श्रद्धालुओं को भस्म आरती देखने के लिए परमिशन की जरूरत नहीं होगी। ऑनलाइन बुकिंग बंद होने पर अब श्रद्धालुओं को ऑफलाइन भस्म आरती की बुकिंग करवाना होगी। इसके लिए काउंटर की खिड़की से आवेदन देना होगा और वहीं से भस्म आरती में शामिल होने की परमिशन मिल पाएगी।

छुट्टियां शुरू होते ही मंदिर में भक्तों का सैलाब

नववर्ष को लेकर अभी से ही छुट्टियां लग चुकी है और बड़ी संख्या में देश विदेश से श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन करने के लिए धार्मिक नगरी उज्जैन पहुंचने लगे हैं। पिछले दो दिनों से महाकालेश्वर मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे हैं, जो कि महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन करने के साथ ही शहर के काल भैरव, चिंतामण गणेश, हरसिद्धि, मंगलनाथ, सांदीपनि आश्रम और अन्य मंदिरों पर भी दर्शन व पूजन करने के लिए पहुंच रहे हैं। रामघाट पर भी सुबह से श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने और दान पुण्य करते भी दिखाई दे रहे हैं।



न्यूज़ ब्रीफ

निर्माण अनुमति निरस्त के विरोध में सौपा झापन

प्रभात फेरी निकली, गुरुद्वारों में हुए शब्द कीर्तन, प्रतिदिन करना चाहिए गुरबाणी का पाठ

उज्जैन में गुरु गोविंद सिंह प्रकाश पर्व पर 5 दिवसीय आयोजन

उज्जैन। अंकपात मार्ग स्थित विनोद चोपड़ा के भूखंड पर भवन निर्माण की अनुमति निरस्त किए जाने के विरोध में भवन स्वामियों ने नगर निगम गेट पर प्रदर्शन कर निगमायुक्त के नाम झापन सौपा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि विधिवत अनुमति दिए जाने के बाद बिना किसी ठोस आधार के भवन निर्माण की अनुमति निरस्त की गई, जो कि नियम विरुद्ध है। मामले में भवन स्वामियों ने बताया कि निगम से अनुमति 17 सितंबर 25 को लेकर निर्माण शुरू किया था। बावजूद अनुमति निरस्त कर दी गई। 13 अक्टूबर 25 को जोन क्रमांक दो के भवन निरीक्षक, प्रभारी लिपिक एवं पटवारी द्वारा निरीक्षण किया गया।

सुशासन सप्ताह के अंतर्गत किया कार्यशाला का आयोजन

उज्जैन। मंगलवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभाकक्ष में सेवा निवृत्त आईएस अधिकारी आशीष सक्सेना के मुख्य आतिथ्य में सुशासन सप्ताह के अंतर्गत सुशासन प्रथाओं और पहल पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्रयांस कूमट, वनमंडलाधिकारी अनुराग तिवारी एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि विगत 19 दिसंबर से 25 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत जल शक्ति अभियान, खेत तालाब, अमृत सरोवर फेज 2 कूम रिचार्ज , मत्स्य पालन विभाग के अंतर्गत किए जाने वाले उल्लेखनीय कार्य एवं नवाचार, विभाग द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य, सफलता की कहानी, आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वसहायता समूह, प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण, लखपति दीदी, शक्ति दीदी योजना, बीमा सखी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अलावा पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग तथा अन्य विभागों द्वारा भी किए गए नवाचारों के बारे में विस्तार से बताया गया। श्री सक्सेना ने इस अवसर पर कहा कि सुशासन के लिए स्मार्ट वर्क की आवश्यकता है। इसमें अंग्रेजी के SMART शब्द को ध्यान में रखकर हमें कार्य करना चाहिए। प्रशासकीय कार्य को स्मार्ट के पहले अक्षर S के अनुसार सरल तरीके से क्रियान्वित कर आमजन के लिए कार्य करना चाहिए। लोकसेवक होने के नाते हमारे मन में जन सेवा की भावना होनी चाहिए। अक्षर M के अनुसार हमारे मोरल (आदर्श) अच्छे होने चाहिए। A के अनुसार हमारा अकाउंटिबिलिटी अर्थात दायित्व निभाने की भावना, R अनुसार रिसपॉन्सिबिलिटी (जिम्मेदारी) और T के अनुसार ट्रांसपेरेंसी (पारदर्शिता) से कार्य करने चाहिए।

दैनिक अवन्तिका ▶ उज्जैन

सिख पंथ के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाश पर्व पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों के साथ 23 दिसंबर से शुरू हो गया है। इस अवसर पर बुधवार सुबह शहर के सभी गुरुद्वारों से प्रभात फेरियां निकाली गईं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। गुरुद्वारों में दिनभर कथा और कीर्तन के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

बुधवार सुबह शहर के विभिन्न गुरुद्वारों से निकली प्रभात फेरियां चामुंडा माता चौराहे पर सुबह 6 बजे एकत्रित हुईं।

बुधवार सुबह शहर के विभिन्न गुरुद्वारों से निकली प्रभात फेरियां चामुंडा माता चौराहे पर सुबह 6 बजे एकत्रित हुईं।

विभिन्न गुरुद्वारों से निकली प्रभात फेरियां चामुंडा माता चौराहे पर सुबह 6 बजे एकत्रित हुईं।

सिख को प्रत्येक दिन करना चाहिए गुरबाणी का पाठ

सिख समाज के संभागीय प्रवक्ता एसएस नारंग ने गुरबाणी की व्याख्या करते हुए बताया कि प्रत्येक सिख को प्रतिदिन गुरबाणी का पाठ करना और सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह शरीर परमात्मा का दिया हुआ है, इसलिए गुरु के बताए मार्ग पर चलते हुए ईश्वर के नाम का ध्यान करना चाहिए।

आयोजन श्रृंखला में 25 दिसंबर को दोपहर 2:30 बजे से नगर कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में शौर्य यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा सुबह 10 बजे गुरुद्वारा सुख सागर से शुरू होकर गुरुद्वारा माता गुजरी बुधवारिया पर समाप्त होगी। इस अवसर पर गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष

इकबाल सिंह गांधी, संभागीय अध्यक्ष सुरजीत सिंह डंग, गुरु सिंह सभा के महासचिव जसविंदर सिंह ठकुराल और गुरुद्वारा श्री दशमेश दरबार के प्रभारी जसवंत सिंह मस्कड़ सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

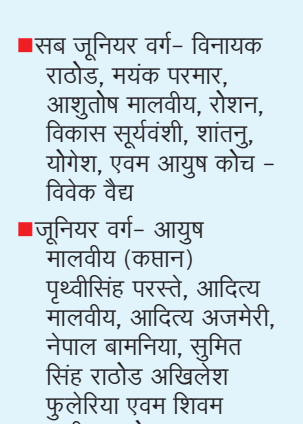
सायकल पोलो की राष्ट्रीय स्पर्धा

उज्जैन की 3 टीमों बिहार के लिये से आज होगी रवाना



दैनिक अवन्तिका ▶ उज्जैन

उज्जैन-राष्ट्रीय सायकल पोलो स्पर्धा मध्यप्रदेश का 24 सदस्यो का दल 25 दिसंबर को उज्जैन से रवाना होगा। इस संबंध में हुई शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज मैदान पर टीम की घोषणा में 40 वी सब जूनियर, 44 वी जूनियर एवम 46 वी



सोनियर बालक वर्ग की मध्य प्रदेश टीम का चयन हुआ।

26 से 30 दिसंबर तक आरा भोजपुर (बिहार) में प्रतियोगिता आयोजित की गई है। प्रतियोगिता ऑल बिहार सायकल पोलो असोसिएशन द्वारा आयोजित की गयी है। मध्यप्रदेश टीम के खिलाड़ी इसमें शामिल होंगे।

■सब जूनियर वर्ग- विनायक राठोड़, मयंक परमार, आशुतोष मालवीय, रोशन, विकास सूर्यवंशी, शांतनु, योगेश, एवम आयुष कोच - विवेक वैद्य

■जूनियर वर्ग- आयुष मालवीय (कसान) पृथ्वीसिंह परस्ते, आदित्य मालवीय, आदित्य अजमेरी, नेपाल बामनिया, सुमित सिंह राठोड़ अखिलेश फुलेरिया एवम शिवम पाटीदार कोच - अजय भावे

■सीनियर वर्ग- भीम खराड़ी कसान, आरूप्यवंशी, दिव्यांश परमार, आयुष मालवीय पृथ्वीसिंग परस्ते आदित्य मालवीय, आदित्य अजमेरी, ओलेश फुलेरिया कोच - अजय भावे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मंगलवार 23 दिसंबर को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन किया गया है। इसके पश्चात आगामी 22 जनवरी तक इस संबंध में दावों आपत्तियां प्राप्त किए जाएंगे। 14 फरवरी तक नोटिस चरण और दावों आपत्तियों का निराकरण किया जाएगा। यदि इसमें कोई त्रुटि हो तो उसे सुधारने का समय 22 जनवरी तक है। इसके पश्चात मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी तक किया जाएगा।

बैठक में जानकारी दी गई कि मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के अनुसार उज्जैन जिले में कुल 2021 मतदान केंद्र हैं। तथा 14,58,616 मतदाता है। इएफ मेपिंग में 14,58,616 मतदाताओं का डिजिटाइजेशन किया गया है। 48,035 मतदाताओं की मेपिंग नही हुई है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने बैठक में बताया कि नो मेपिंग का यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि उक्त मतदाताओं का नाम सूची

यूथ कांग्रेस का चलो पंचायत अभियान उज्जैन से शुरू

दैनिक अवन्तिका ▶ उज्जैन

उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन के बाद यूथ कांग्रेस ने आज चलो पंचायत अभियान की शुरूआत की। यह अभियान उज्जैन से शुरू होकर प्रदेश के प्रत्येक जिले में पहुंचेगा, जहां भाजपा सरकार की कथित विफलताओं को जनता के बीच रखा जाएगा। यह बात यूथ कांग्रेस के मध्य प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया ने अभियान के शुभारंभ के दौरान कही।

यश घनघोरिया ने कहा कि प्रदेश में अराजकता का माहौल है। वोट चोरी, मनरेगा और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर जनता के आक्रोशक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस का उद्देश्य है कि युवा आवाज उठाएगा, हर अधूरा वादा याद दिलाएगा। इस दौरान युवाओं ने सरकार के खिलाफ



नारेबाजी कर अपनी मांगों को बुलंद किया। मीडिया से चर्चा करते हुए यश घनघोरिया ने कहा कि यूथ कांग्रेस आने वाले दिनों में कलेक्ट्रेट और नगर निगम का घेराव करेगी और हर जिले में सरकार की नाकामियों को उजागर करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव

के दौरान कई वादे किए गए थे, लेकिन आज तक कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ। राजगार के अभाव में युवा पलायन करने को मजबूर हैं और प्रतिदिन प्रदेश से करीब 40 महिलाएं लापता हो रही हैं, जिस पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है।

रोजगार नहीं मिला

उन्होंने सवाल उठाया कि प्रदेश में 10.46 लाख से ज्यादा ओबीसी युवा नौकरी की तलाश में हैं, क्या बेरोजगारी का सबसे बड़ा बोझ पिछड़े वर्गों पर ही डाला जा रहा है? 2023 के भाजपा घोषणा-पत्र का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि हर परिवार को कम से कम एक नौकरी देने का वादा किया गया था, लेकिन ढाई साल बीत जाने के बाद भी किसी परिवार को रोजगार नहीं मिला। बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षण के दौरान 10 हजार रुपये मासिक भत्ता देने का वादा भी किया गया था, जो आज तक पूरा नहीं हुआ।

गौंधी जी का नाम और विचार आज भी प्रासंगिक

मनरेगा से गांधी जी का नाम हटाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि गांधी जी का नाम और विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संवेदनहीन हो चुकी है और अपनी सारी सीमाएं पार कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इन गंभीर मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की मांग की। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश में 62.75 लाख से अधिक युवा आज बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। लाडली बहना योजना के बाद लाडला भाई को सिर्फ धोखा मिला है। डबल इंजन सरकार ने वादे तो डबल किए लेकिन नौकरियों की रफ्तार शून्य रही।

सीएम के डॉक्टर बेटा-बहू कर रहे नर्मदा परिक्रमा, 15 दिन में पूरी होगी



दैनिक अवन्तिका ▶ उज्जैन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु और बहू डॉ. इशिता नर्मदा परिक्रमा पर निकले हैं। सोमवार 22 दिसंबर को ओंकारेश्वर से दोनों ने नर्मदा यात्रा की शुरूआत की है। पिछले महीने 30 नवंबर को उज्जैन में सामूहिक विवाह सम्मेलन में अभिमन्यु खरगोन जिले की डॉ. इशिता के साथ विवाह के बंधन में बंधे थे। शादी के 21 दिन बाद ही वे नर्मदा

यात्रा पर निकले हैं।

नवविवाहित जोड़े अभिमन्यु और इशिता के साथ नर्मदा परिक्रमा पर उनकी बड़ी बहन डॉ. आकांक्षा यादव, जीजा जी और बड़े भाई वैभव यादव-भाभी भी साथ में नर्मदा यात्रा कर रहे हैं। ओंकारेश्वर से शुरू हुई नर्मदा परिक्रमा करीब 15 दिनों में पूरी होगी। ओंकारेश्वर से महेश्वर, बड़वानी, राजपीपला गरुड़ेश्वर), भरूच होते हुए नर्मदा सागर संगम जाकर यह यात्रा पूरी होगी।

आज होगा अंतर्राष्ट्रीय कला पर्व का शुभारम्भ

उज्जैन। विगत 26 वर्षों से कलाजगत में सक्रिय प्रदेश की प्रतिनिधि कला संस्था कलावर्त न्यास के 27वें चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कला उत्सव का शुभारम्भ आज 25 दिसंबर शाम 5.30 बजे आनंद मंगल परिसर उदयन मार्ग पर वीरभारत न्यास सचिव श्रीराम तिवारी भोपाल के मुख्य अतिथ्य में होगा। न्यास के सचिव पवन गरवाल ने बताया कि इस अवसर पर महाकालेश्वर रिसौरेस प्रा.ली. के डायरेक्टर संतोष चौहान विशेष अतिथि के रूप मे उपस्थित रहेंगे। गरवाल ने बताया कि इस अवसर पर विशेष अलंकरण अनुष्ठान के तहत देश के ख्याति प्राप्त नईदिल्ली के चित्रकार विजेंद्र शर्मा को आजीवन उपलब्धि सम्मान प्रदान किया जावेगा। साथ ही प्रतिवर्षनुसार कला जगत के स्थापित सक्रिय वरिष्ठ एवं युवा चित्रकारों को विभिन्न अलंकरण प्रदान किये जावेंगे। गरवाल ने बताया कि यह सम्पूर्ण कला आयोजन इस वर्ष देश के प्रख्यात अग्रणी मूर्तीकार पदम भूषण राम वी. सुथार एवं कलावर्त न्यास के उपाध्यक्ष और चित्रकार स्व. रमेश आनंद की स्मृति को समर्पित होगा। स्व. रमेश आनंद को न्यास के स्थापना के आरम्भ से अब तक न्यास के प्रति निहिस्वार्थ भाव से सहयोग सहयोग व समर्पण भाव के लिये मरणोपरान्त अनंत कला समर्पण सम्मान से सम्मनित किया जावेगा। सम्मान के तहत न्यास द्वारा इन के परिवार को रजत सम्मान पत्र, तथा 51000 रूपये की सम्मान निधि समर्पित की जावेगी।

गौ सम्मान आव्हान अभियान हेतु समन्वय बैठक आज

उज्जैन। भारतीय परंपरा के समस्त अराध्य देवी देवता के आशीर्वाद से भारतीय परंपरा के सभी आचार्य , मूर्धन्य संत,गौ भक्त गौ रक्षक गौ सेवक ,गौ पालकडु,गौ पुत्र, गौ वत्स , गौ प्रेमी जन द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर गौ सम्मान आव्हान अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान देश की प्रत्येक तहसील से ले कर देश की राजधानी दिल्ली तक संविधान के दायरे में शांतिपूर्ण तरीके से भारत वर्ष में गौ हत्या पूरी तरह बंद करने हेतु केंद्रीय कानून बनाने का 12 वर्ष से सत्ता संचालन कर रही सरकार से सत्याग्रह है। देश की शांति पूर्ण गैर राजनीतिक जनता का यह विनय ,निवेदन राम राज्य की अवधारणा को साकार रूप को देने का प्रण पर्व है। इस अभियान के समन्वय हेतु एक बैठक झालरिया मठ हरसिद्धि उज्जैन में 25 दिसंबर को अपराह्न तीन बजे रखी गई है। इस बैठक में ग्वाल संत गोपालानंद जी , रविद्वानंद जी , साध्वी श्रद्धा गोपाल सरस्वती उपस्थित रहेंगी एवं अभियान की विस्तृत जानकारी प्रदान करेंगी।इस अभियान की प्रधान संरक्षक आद्य शक्ति (मां सुरभि) एवं अध्यक्षता नंदी बाबा (नीलमणि वृषभदेव) जी कर रहे है।

आगमन पर नव-नियुक्त युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया का किया अभिनंदन

उज्जैन। पंथपिपलाई में युवा कांग्रेस द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन कर आमजन के मूलभूत मुद्दों को लेकर एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नव-नियुक्त युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया का आगमन हुआ। कार्यक्रम के संयोजक उज्जैन दक्षिण विधानसभा अध्यक्ष यशराज सिंह चावड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि आगमन के दौरान उज्जैन दक्षिण विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत पंथपिपलाई में अभिनंदन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए युवक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया ने किसानों की समस्याओं, आम जनता की परेशानियों, बिजली विभाग की कथित तानाशाही, जर्जर सड़कों व गड्ढों सहित अन्य जनहित के मुद्दों पर खुलकर आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार जनता की समस्याओं से मुंह मोड़े बैठी है और युवक कांग्रेस आमजन की आवाज को सड़क से लेकर सदन तक उठाने का कार्य करेगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रभान सिंह चंदेल, जिला अध्यक्ष अर्पित यादव, संगठन मंत्री चेतन चौधरी, संभाग प्रभारी बहन स्वीटी पाटिल, जिला पंचायत सदस्य संजय वर्मा सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभा के दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं, जिनके निराकरण हेतु युवक कांग्रेस द्वारा संघर्ष करने का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने जोशीले नारों के साथ कांग्रेस पार्टी की नीतियों, नकुल सहित बड़ी संख्या में युवा साथी एवं ग्रामवासी मौजूद रहे।

भाषा विभेद के षडयंत्र को समझना चाहिए- प्रो बलदेव भाई शर्मा

उज्जैन। भाषा विभेद के षडयंत्र को समझना चाहिए। भाषा को जिस तरह विवाद का विषय बनाया जा रहा है, वह चिंताजनक है। साम्राज्यवादि्यों ने भारतीय भाषाओं को समाप्त करने का षड्यंत्र रचा और उसमें सफल भी रहे। भारत में भाषाई विभेद को नकार देना चाहिए। भाषा का विचार करते समय हमें अपने सांस्कृतिक दृष्टिकोण का भी परिमार्जन करना चाहिए। अंग्रेजों ने हमारे दिमाग में जो जहर भर दिया है, उसे दूर करना पड़ेगा। हम अंग्रेजी भाषा का विरोध नहीं करते, लेकिन उसका उ्थान अपनी भाषाओं की कीमत पर नहीं होना चाहिए। ये उद्गार प्रधान मंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शा माधव महाविद्यालय द्वारा भारतीय भाषा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि बुक टेस्ट ऑल इंडिया के पूर्व अध्यक्ष प्रो बलदेव भाई शर्मा ने व्यक्त किए। वरिष्ठ पत्रकार पंकज पाठक ने डॉ हरीश पाठक के उपन्यास गाँठें की समीक्षा करते हुए कहा कि यह उपन्यास हमारे मन की कई गाँठें खोलता है। डॉ अरुण वर्मा ने प्रसिद्ध शायर महमूद जकी द्वारा रचित की प्रशंसा करते हुए उज्जैन का तराना को एक श्रेष्ठ रचना निरूपित किया। उन्होंने कहा कि शायरी का मिजाज बदलने का कार्य महमूद जकी ने किया है। स्वागत उद्घोषण में प्रचारक प्रो कल्पना सिंह ने कहा कि भाषा विज्ञानी यहां मौजूद हैं। हमको भाषा के प्रयोग में शुद्धता रखनी चाहिए। हर भाषा की अपनी मिठास है।

माँ शिप्रा का पूजन कर सिंहस्थ तैयारियों को लेकर बैठक हुई संपन्न

उज्जैन। बड़ा पुल स्थित श्री पंचदशनाम जुना अखाड़ा परिसर में सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक नासिक से उज्जैन पधारे पंचदशनाम जुना भैरव अखाड़ा एवं पंचदशनाम महाकाल अखाड़ा के श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर राहुल नाथ महाराज के सांनिध्य में सम्पन्न हुई। बैठक में देशभर से अखाड़ों के पदाधिकारी एवं सेवा से जुड़े साधु-संत उपस्थित रहे। बैठक प्रारंभ होने से पूर्व सभी संतों द्वारा माँ शिप्रा का विधिवत पूजन किया गया, तत्पश्चात सिंहस्थ से संबंधित विषयों पर विचार–विमर्श हुआ। राजेश्वर नाथ महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में नासिक एवं उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ को लेकर व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए गए। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि श्रद्धालुओं के लिए दवाइयां, स्वास्थ्य सुविधाएं, शुद्ध पेयजल, पीछिक भोजन एवं अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बैठक के दौरान महामंडलेश्वर राहुल नाथ महाराज ने संबोधित करते हुए कहा कि सिंहस्थ में लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से पहुंचते हैं। ऐसे में सरकार के साथ-साथ संत समाज का भी यह दायित्व है कि वे श्रद्धालुओं की सेवा में योगदान दें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप उज्जैन में 2028 सिंहस्थ की तैयारियां अभी से प्रारंभ कर दी गई हैं।

दिन	366-5	229-3
मेन बाजार	579-1	889-5
कल्याण नाइट	379-9	499-2
मिलन डे	267-5	140-5
मिलन नाइट	469-9	368-7
मधुर डे	499-2	558-8
मधुर नाइट	670-3	467-2
शुर्भांक	2	6
	9	

अंतराष्ट्रीय कंपनियों की नई पसंद बन रहा उज्जैन तथा निर्मित सामग्री का हो रहा है विदेशों को निर्यात



दैनिक अवन्तिका » उज्जैन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उद्योग फ़ंडली नीति अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को मध्यप्रदेश में आने के लिए आकर्षित कर रही है। अमेरिका सहित कई अन्य देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने उज्जैन के विक्रम उद्योगपुरी सहित देवास औद्योगिक क्षेत्र तथा आगर मालवा औद्योगिक पार्क में अपने प्लांट स्थापित किए हैं। जिनमें निर्मित सामग्री का विदेशों को भी निर्यात हो रहा है।

विक्रम उद्योगपुरी में संयुक्त राष्ट्र अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय कंपनी आरपीएसपीएल प्राइवेट लिमिटेड, पेप्सीको इंडिया होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड एवं ऑस्ट्रेलिया की प्लेट्रोटाइड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपने-अपने प्लांट स्थापित किए हैं। इसी प्रकार जर्मनी की वोल्वो आयशर कंपनी द्वारा अपने प्लांट स्थापित किए गए हैं। देवास औद्योगिक क्षेत्र में जापान की सेनओह इंडिया लिमिटेड तथा स्पेन की रोका सेनेटरी



प्राइवेट लिमिटेड ने अपने प्लांट स्थापित किए हैं। मेडिकल डिवाईस पार्क में क्लीनिसप्लाईज प्राइवेट लिमिटेड अमेरिका तथा साउथ कोरिया की ई फाइबर प्राइवेट लिमिटेड ने अपने प्लांट स्थापित किए हैं। इसके अलावा

औद्योगिक पार्क आगर मालवा में कनाडा की मेककेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड काम कर रही है। अंतरराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा स्थापित फैक्ट्रियों में व्हीड क्रीम, बेवरेजेस, खिलौने ऑटोमोबाइल पार्ट्स, सेनेटरी वेयर, मेडिकल डिवाइसेज, कैसर डिटैक्शन कट, फ्रेंच फ्राइज आदि सामग्री निर्मित की जा रही है जिनका निर्यात विदेशों को भी किया जा रहा है। इनके अलावा कई भारतीय कंपनिया भी सम्मिलित है। जिनके द्वारा विक्रम उद्योगपुरी नामझिरी देवास औद्योगिक क्षेत्र तथा रतलाम में स्थापित फैक्ट्रियों के उत्पाद विदेशों को निर्यात हो रहे हैं। इनमें अमूल इंडिया, इस्कॉन बालाजी, बेस्ट लाइफस्टाइल, आरपीएसपीएल, सन फार्मास्यूटिकल तथा आईपीसीए

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार ने भूखण्डस्वामी, कपिल चौहान पिता श्री उमरावसिंह जी चौहान निवासी 34 दिशी परिसर, इंदौर रोड उज्जैन के एकांकी स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का भूखण्ड क्रमांक 34 स्थित महेश विहार कालोनी नानाखेडा उज्जैन में है जिसका कुल क्षेत्रफल 135.00 वर्गमीटर है, जिसकी चर्तुसीमा पूर्व की ओर:- भूखण्ड क्रमांक 25, पश्चिम की ओर-सडक कालोनी की, उत्तर की ओर भूखण्ड क्रमांक 33, दक्षिण की ओर भूखण्ड क्रमांक 35 है, उक्त संपत्ति को मेरे पक्षकार ने क्रय करने का विधिवत विक्रय अनुबंध लेख कर लिया है, तथा अधिकतम बयाना राशि अदा कर दी है। अतः उक्त वर्णित संपत्ति किसी भी बैंक, पेढी, निगम, सोसायटी, वित्तीय संस्था आदि का कोई ऋण, भार, बकाया हो, उक्त वर्णित संपत्ति में किसी अन्य का कोई हक, हित, हिस्सा व सुखाधिकार हो या इस विक्रय बाबत किसी को कोई आपत्ति आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना से 7 (सात) दिवस के अंदर अपनी आपत्ति मय लेखी प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करे ताकि उसका उचित निराकरण किया जा सके अन्यथा मियाद गुजरने पश्चात किसी की कोई आपत्ति आदि मान्य नहीं होगी। सो सूचित हो। इति दिनांक 24-12-2025 स्थान उज्जैन

गौरव गौदावत (जैन), एडव्होकेट
कार्यालय--डी.एफ.-7 भरतपुरी शॉपिंग काम्पलेक्स,
देवास रोड उज्जैन मो. 99260-68606

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने अशोक शर्मा पिता श्री माताप्रसाद शर्मा, निवासी-सी-38/18, ऋषिनगर एक्सपेंशन नाग मंदिर के पास उज्जैन से उनके स्वत्व एवं आधिपत्य का भवन क्रमांक-सी-38/18, ऋषिनगर एक्सपेंशन नाग मंदिर के पास उज्जैन में स्थित है भवन का कुल क्षेत्रफल 44.10 वर्ग मीटर हैं को मेरे पक्षकार ने सौदा कर विधिवत रूप से स्वय के हित में अनुबंध पत्र के निष्पादन के समय बयाना राशि अदा कर अनुबंधित किया हैं तथा निष्पादित अनुबंध पत्र की शर्त अनुसार निहित समयवाधि में शेष राशि अदा कर दस्तावेज विक्रय पत्र का निष्पादन करवाया जावेगा। उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का सरकारी, साहकारी या बैंक या किसी भी विभाग या वित्तिय संस्था अथवा सोसायटी का कोई ऋण भार हो या किसी का उक्त सम्पत्ति में कोई हक, हित, हिस्सा या अधिकार हो तो ऐसे सर्वबंधित व्यक्ति / विभाग इस जाहिर सूचना प्रकाशन से पन्दाह दिवस की अवधि में मय प्रमाण दस्तावेज सहित लिखित में अपनी आपत्ति कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करें ताकि उसका निराकरण करवाया जा सके, अन्यथा सूचना प्रकाशन की अवधि व्यतीत होने के पश्चात् मेरे पक्षकार द्वारा विधिवत रूप से अनुबंध पत्र की शर्त अनुसार दस्तावेज विक्रय पत्र का निष्पादन करवा लिया जाएगा व कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। इति दिनांक-21/12/25

योगेश शर्मा एडवोकेट
कार्यालय-डी.एफ.-9, भरतपुरी काम्पलेक्स
देवास रोड, उज्जैन

न्यायालय कमिश्नर फॉर एम्प्लॉई कम्पेनसेशन श्रम न्यायालय उज्जैन म.प्र.

प्रकरण क्रमांक 123/2025 विविध
श्रीमती पेपाबाई पति स्व. मुकेश परमार आदि निवासी ग्राम बीनपुरा तहसील महिदपुर जिला उज्जैन वि.
इरफान खान पिता साबिर खान ट्रक मालिक निवासी दिलदारपुरा जिला उज्जैन

// सूचना-पत्र //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मृतक मुकेश परमार पिता बापूजी की मृत्यु दिनांक 17.09.18 को घटित दुर्घटना में हुई थी जिसके मृत्यु मुआवजे बाबद रूपये 13,06,257-00 (तेह लाख छह हजार दो सौ सत्तावन मात्र) नेशनल इश्युरेन्स कंपनी लिमिटेड द्वारा जमा कराई गई। अतः मृतक के कोई भी आश्रित हो तो वे अपना हक प्रार्थना पत्र के साथ अटेस्टेड फोटो सहित दिनांक 10.02.26 को प्रातः 11.00 बजे श्रम न्यायालय कोठी प्रांगण उज्जैन मे प्रस्तुत करें। अन्यथा प्रकरण में आगे की कार्यवाही की जावेगी व बाद में सुनवाई नहीं होगी। मृतक के आश्रित होने संबंधि अटेस्टेड फोटो तथा पंचायत या नगर पालिका का प्रमाण पत्र भी साथ लावें। मेरे हस्ताक्षर व पदमुद्रा से आज दिनांक 22.12.25 को जारी किया गया।

(नीरज कुमार प्रजापति)
कमिश्नर फॉर एम्प्लॉई कम्पेनसेशन
श्रम न्यायालय उज्जैन म.प्र.

उद्यमी बनकर महिला सशक्तिकरण की मिसाल पेश की है टीना बजाज ने

उज्जैन। उज्जैन उद्यमी युवा टीना बजाज ने उद्यमी बनकर महिला सशक्तिकरण की मिसाल पेश की है अपने परिवार से प्रेरणा लेकर टीना ने कोरोगेटेड बॉक्स निर्माण की फैक्ट्री स्थापित कर दी है फैक्ट्री स्थापना में बड़ा रोल मध्य प्रदेश शासन की सूक्ष्म लघु मध्यम नीति का है जिसमें उद्यमियों को बैंक लोन दिलवाने से लेकर अनुदान सहायता भी दी जाती है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उद्योग सकारात्मक नीतियों से प्रेरित होकर उज्जैन की युवा उद्यमी टीना बजाज ने इशापेक्स प्राइवेट लिमिटेड नाम से फैक्ट्री स्थापित की है जिसमें कोरोगेटेड बॉक्स बनाए जाते हैं। जो मार्केटिंग में सामान पैकिंग में इस्तेमाल किए जाते हैं वर्ष 2024 में स्थापित की गई इशा पैक्स प्राइवेट लिमिटेड की लागत लगभग सवा दो करोड रुपये है जिसमें 40 प्रतिशत अनुदान सहायता शासन द्वारा दी जाएगी। ईशा के भाई प्रशांत बजाज ने बताया कि फेक्ट्री में बनाए गए कोरोगेटेड बॉक्स का सप्लाई आसपास के इंदौर रतलाम शाजापुर आगर मालवा सीहोर भोपाल से लेकर आसपास के राज्यों में भी की जा रही है। जिससे अच्छा मुनाफा अर्जित हो रहा है। उज्जैन उज्जैन में देवास रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित इस फैक्ट्री के माध्यम से करीब 15 व्यक्तियों को रोजगार मिला है। जो मध्य प्रदेश शासन की औद्योगिक नीति का प्रमुख उद्देश्य है। फैक्ट्री में काम करने वाले राकेश कुशवाहा तथा राधेश्याम परमार भी खुश हैं। उनको भी रोजगार मिल गया है। 15 बेरोजगार इशा पैक्स फैक्ट्री में रोजगार मिलने से लाभान्वित हुए हैं।

से अधिक को प्रत्यक्ष तथा 25,000 से अधिक को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट, रीजनल इंडस्ट्रीयल कॉन्क्लेव ने मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूती से स्थापित किया है। भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के माध्यम से राज्य की बड़े पैमाने पर निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, वहीं उज्जैन में आयोजित रीजनल इंडस्ट्रीयल कॉन्क्लेव

एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूची को लेकर हुई जिला कांग्रेस की बैठक

उज्जैन। एसआईआर प्रक्रिया के बाद निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रकाशित मतदाता सूची को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक शहर कांग्रेस कार्यालय में 24 दिसंबर को आयोजित की गई। जहां प्रकाशित मतदाता सूची ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों को बुलाकर उन्हें विवरित की गई ताकि वे वाई स्तर तक इस सूची को पहुंचाए जिससे लोग सूची में अपना नाम देख सकें वहीं पार्टी के सभी बीएलए तक यह मतदाता सूची पहुंच चके। विधायक एवं जिलाध्यक्ष महेश परमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में विधायक दिनेश जैन बोस, पूर्व विधायक दिलीप गुर्जर की उपस्थिति में जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित हुई जिसमें विशेष रूप से शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी सहित उज्जैन जिले के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मोहनसिंह पलदुना इंगोरिया ब्लॉक, मधुसुदन भारद्वाज बडनगर ब्लॉक, रंसेस कुरेशी बडनगर शहर, अनोखीलाल राठौर भाटपचलाना (खरसोद कला) ब्लॉक, जीवन पाटीदार खाचरोद ब्लॉक, राधेश्याम चंद्रवंशी नागदा ग्रामीण ब्लॉक, कैलाश चौहान नागदा ब्लॉक, भरत शर्मा महिदपुर रोड (गोगापुर) ब्लॉक, कैलाश बगाना महिदपुर ब्लॉक, सगीर बैग महिदपुर शहर, कमलसिंह चौहान झारडा ब्लॉक, मनीष शर्मा माकडोना शहर, निहालसिंह गुर्जर माकडोन ब्लॉक, कप्तानसिंह पंवार तराना ब्लॉक, महेश रावल तराना शहर, कैलाश पाण्डेय कायथा ब्लॉक, लोकेन्द्रसिंह पंवार घटिया ब्लॉक, शंकर पटेल उन्हेल ब्लॉक, गुड्डू कुरेशी उन्हेल ग्रामीण ब्लॉक, उमेश वर्मा उज्जैन ग्रामीण ब्लॉक, पदमसिंह पटेल पानबिहार ब्लॉक, गम्फार पटेल ताजपुर ब्लॉक, संचित शर्मा उज्जैन (उत्तर) महाराजवाडा ब्लॉक, अभिषेक शर्मा (लाला) उज्जैन (उत्तर) जीवाजीगंज ब्लॉक, रहीम शाह लाला उज्जैन (उत्तर) दौलतगंज ब्लॉक, दुर्गेश धवन उज्जैन (दक्षिण) अंबेडकर उपब्लॉक, डॉ. बबलू खीची उज्जैन (दक्षिण) शास्त्रीनगर उपब्लॉक मौजूद रहे।

डॉ. दिल्लीवाल ने महाकाल की तस्वीर भेंट कर किया राष्ट्रीय महासचिव का सम्मान

उज्जैन। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय, नई दिल्ली में राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष का स्वागत डॉ. हितेश दिल्लीवाल उपाध्यक्ष ऑल इंडिया डेंटल सर्जन एवं स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन (मध्य प्रदेश) द्वारा भगवान महाकाल का पावन दुर्घुष्ट ओढाकर तथा भगवान महाकाल की दिव्य तस्वीर भेंट कर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ किया गया। डॉ. दिल्लीवाल ने बताया कि इस शिष्टाचार भेंट के अवसर पर सौाटनात्मक विषयों के साथ-साथ दंत चिकित्सकों एवं छात्रों से जुडे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक एवं सार्थक संवाद भी हुआ।

जाहिर सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सत्यवृत्त उर्फ सत्यव्रत (आधार कार्ड अनुसार) पिता श्री इन्द्रदेव प्रसाद सिंह, तथाई निवासी टाउन हाईस्कूल के सामने, वृद्धा कालोनी, हाजीपुर वैशाली 844101 (बिहार) वर्तमान निवासी 3, बेचलार होस्टल, गेल काम्पलेक्स, नानाखेडा, उज्जैन (म.प्र.) हाल मुकाम सी-4/3, गेल टाउन /शिप श्रवण चौकडी, बिहाईन नारायण मुस्ती सोसायटी भोलाव (पाट) भरुच 392001 (गुजरात) का निवासी हूँ। मेरे एकमेव स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक आवासीय भूखण्ड क्रमांक 83. महाकाल एनेन्यू, कालोनी ग्राम लालपुर पटवारी हल्का नंबर 34, देवास रोड, तहसील व जिला उज्जैन में है। उक्त भूखण्ड का कुल क्षेत्रफल 90.00 वर्ग मीटर है। उक्त भूखण्ड मेने इसके पूर्वस्वामी फनालाल शर्मा पिता श्री गौरशंकर शर्मा निवासी उज्जैन से जयें पंजीकृत विक्रय पत्र पंजीयन क्रमांक 2326 प्रस्तुती दिनांक 06.09.2012 पंजीयन दिनांक 07.09.2012 के माध्यम से विधिवत रूप से क्रय किया था तथा इसके पूर्व उक्त भूखण्ड श्री फनालाल शर्मा ने श्रीमती सरोज गुप्ता पति श्री चन्द्रभान गुप्ता, निवासी उज्जैन द्वारा पंजीकृत मु. आम चन्द्रभान गुप्ता पिता श्री बिहारीलालजी निवासी उज्जैन से जयें पंजीकृत विक्रय पत्र पंजीयन क्रमांक 4762 दिनांक 28.03.2011 के माध्यम से विधिवत रूप से क्रय किया था। उक्त भूखण्ड क्रय करने के उपरांत उक्त दोनों मूल विक्रय पत्र (रजिस्ट्री) मेरे पास से कहीं ग़ुम हो गई है, जो कि कार्याी दुदने पर भी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। मेरी उक्त रजिस्ट्री गुम हो जाने के संबंध में संबंधित पुलिस थाने में रिपोर्ट भी दर्ज करवा दी गई है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त दस्तावेज प्राप्त हो या किसी व्यक्ति / बैंक या वित्तीय संस्था प्राप्त हुए हो या मिले तो वह मुझसे संपर्क करें। उक्त दस्तावेजों के आधार पर किसी भी अन्य व्यक्ति से कोई संव्यवहार ना करें। यदि किसी व्यक्ति द्वारा कोई संव्यवहार किया जाता है तो वह मुझ पर बंधनकारी नहीं होगा। यह सूचित हो। इतिदिनांक 24.12.2025
घनश्यामसिंह हंस, एडव्होकेट उज्जैन कार्यालय चेम्बर नंबर 104, प्रथम मंजिल, कल्पतरु टॉवर, फ़ीगंज, उज्जैन म.प्र. मो. नं. 9329410391

दूसरों को क्या दोष देना



www.awantika.com

सम्पादकीय

जागे बांग्लादेश

बांग्लादेश में दीपू चंद्र दास की निर्मम हत्या का एक बहुत बड़ा मुद्दा बन जाना स्वाभाविक है। इस हत्या ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोर कर रख दिया है। भारत ही नहीं, दुनिया के अन्य देशों में भी लोगों ने नाराजगी का इजहार किया है और यह नाराजगी बांग्लादेश के वर्तमान कामचलाऊ हुक्मरान तक जरूर पहुंचनी चाहिए। बांग्लादेश के प्रमुख सलाहकार भी हिंदुओं की सुरक्षा के मसले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। अल्पसंख्यकों को लेकर भारत चिंता का इजहार करता रहा है, पर उसकी इस चिंता को समझने में बांग्लादेशी सलाहकार समर्थ नहीं हैं। एक जुनून की वजह से बांग्लादेश में तख्तापलट को अंजाम दिया गया और उस जुनून के पीछे जो महजबी संकीर्णता है, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत के अनेक शहरों में बांग्लादेश का जो विरोध हो रहा है, उसे गलत नहीं ठहराया जा सकता। भारत में इस विषय पर काफी संयम का परिचय दिया गया है। बांग्लादेश में जब हालात बेकाबू होते दिख रहे हैं, तभी बांग्लादेशी दूतावास के पास प्रदर्शन की नौबत आई है।

हालाकि, भारतीय पुलिस को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बांग्लादेशी दूतावास के अलावा बांग्लादेशियों की भी सुरक्षा सुनिश्चित रहे। सचेत रहने की जरूरत है। बांग्लादेश जैसी अराजकता भारत में कतई नहीं होनी चाहिए। सांप्रदायिक तत्व निश्चित रूप से चाहेंगे कि भारत में भी हालात खराब हो जाएं, लेकिन यहां सुरक्षा एजेंसियों को अपना कर्तव्य निभाना होगा। यह बात गौर करने की है कि बांग्लादेश में दीपू की हत्या का मामला हो या वहां के दो बड़े अखबार के दफ्तरों पर हमले का मामला, वहां की पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह नाकाम साबित हुई हैं। वहां के सुरक्षा बल अराजक भीड़ से उरने लगे हैं। इसका मतलब है कि बांग्लादेश सरकार की ओर से सुरक्षा बलों को जो नैतिक बल मिलना चाहिए, उसका नितांत अभाव हो गया है। वहां सरकार की कमजोरियों को लेकर पत्रकारों में बहुत नाराजगी है। दीपू का कोई दोष नहीं था, तो अखबार भी निर्दोष थे, लेकिन उन्हें निशाना बनाकर भीड़ ने अपने सांप्रदायिक चरित्र को ही नहीं, बल्कि अपराधिक प्रवृत्ति को भी उजागर किया है। सबसे बड़ी चिंता की बात है कि बांग्लादेश की बागडोर संभाल रहे सलाहकार भारत की ओर से दी जा रही किसी भी अच्छी सलाह पर कान नहीं दे रहे हैं और भारत को दुश्मन समझने की बड़ी गलती कर रहे हैं।

| **अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर विशेष** |

अटलजी : विरोधी भी करते थे जिनका सम्मान

भारतीय राजनीति के इतिहास में अटल बिहारी वाजपेयी एक ऐसा नाम हैं, जो केवल सत्ता या पद से नहीं, बल्कि विचार, संस्कार और संवाद से पहचाना जाता है। वे ऐसे सर्वमान्य नेता थे, जिन्हें न केवल उनके समर्थक, बल्कि विरोधी भी आदर और सम्मान से सुनते थे। राजनीति में सकारात्मकता, सहमति और शालीनता का जो मार्ग उन्होंने प्रशस्त किया,

वह आज भी लोकतंत्र के लिए आदर्श हैं। 25 दिसंबर को देश भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101 वीं जयंती मना रहा है। यह दिन केवल एक महान नेता का जन्मदिन नहीं, बल्कि सुशासन दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि में जन्म:- अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को मध्यप्रदेश के ग्वालियर नगर में हुआ। उनके पिता श्री कृष्ण बिहारी वाजपेयी एक शिक्षक थे और माता श्रीमती कृष्णा देवी थीं। जिस समय अटलजी का जन्म हुआ, उस समय देश अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम के निर्णांकक दौर से गुजर रहा था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन चल रहे थे। भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों के बलिदानों की गूंज देशभर में सुनाई दे रही थी। इसी राष्ट्रवादी वातावरण में अटलजी का बाल्य और विद्यार्थी जीवन प्रारंभ हुआ।

शिक्षा व वैचारिक निमाण:- अटलजी की प्रारंभिक शिक्षा ग्वालियर में हुई। उन्होंने किटोरिया कॉलेज, ग्वालियर से स्नातक तथा डी.ए.वी. कॉलेज, कानपुर से राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की। विद्यार्थी जीवन से ही वे राष्ट्र सेवा की ओर आकृष्ट थे। वर्ष 1942 के द्व्यभारत छोड़ो आंदोलनह्म में उन्होंने सक्रिय सहभागिता निभाई।

पत्रकारिता से राजनीति तक का सफर:- अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने जीवन का शुरुआत पत्रकारिता से की। लेखन और वाणी की शक्ति उनके व्यक्तित्व का अभिन्न अंग रही। वर्ष 1947 में वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में प्रमुख भूमिका निभाई।

संसदीय राजनीति में सशक्त उपस्थिति:- वर्ष 1957 से अटलजी का संसदीय जीवन प्रारंभ हुआ। वे दस बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे। उत्तरप्रदेश की लखनऊ सीट से वे छह बार लगातार लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए। 1962 में चीन युद्ध के बाद जब डॉ. राममनोहर लोहिया ने ह्काप्रसन्न हटाओ, देश बचाओ का नारा दिया, तब अटलजी जनसंघ के प्रभावशाली युवा नेता के रूप में उभरे। पं. दीनदयाल उपाध्याय के आक्रामिक निधन के बाद जनसंघ के नेतृत्व की जिम्मेदारी अटल बिहारी वाजपेयी के कंधों पर आई।

आपातकाल और लोकतंत्र की रक्षा:- 1974 में जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में हुए छत्र आंदोलन को अटलजी ने पूर्ण समर्थन दिया। इस आंदोलन से तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार की नींव हिल गई। 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान अटलजी सहित अनेक नेताओं को जेल जाना पड़ा। 1977 में जनता पार्टी की सरकार बनी और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने। इस सरकार में अटल बिहारी वाजपेयी विदेश मंत्री बने।

हिंदी को वैश्विक मंच पर सम्मान:- विदेश मंत्री के रूप में अटलजी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में ऐतिहासिक भाषण दिया। यह संयुक्त राष्ट्र में हिंदी का पहला प्रभावशाली भाषण था, जिसने भारत और हिंदी भाषा का गौरव बढ़ाया।
भाजपा का गठन और संघर्ष:- 1980 में अटलजी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ और वे इसके प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। लालकृष्ण आडवाणी के साथ मिलकर उन्होंने पार्टी को वैचारिक और संगठनात्मक रूप से सशक्त किया।

एक साधक का सवाल है- शाश्वत सुख क्या है, इसे कैसे पाया जाए? जिस व्यक्ति का मन अनंत सत्ता को अपने वितन का विषय बना लेता है, वह वस्तुतः परमात्मा के साथ अपनी पहचान स्थापित कर लेता है। आपके मन में सवाल उठेगा कि यदि परमात्मा अनंत है, तो फिर सीमित व्यक्तित्व का बोध कैसे जन्म लेता है ?

मनुष्य का स्वभाव परिमित से अनंत की ओर, भाग से संपूर्ण की ओर बढ़ने का है। यही उसका धर्म है। यह प्रवृति आत्म-संरक्षण और सुख-प्राप्ति की मूल इच्छा से उत्पन्न होती है। किंतु जब तक लक्ष्य सीमित रहता है, तब तक शाश्वत सुख संभव नहीं होता। अनादि और अनंत केवल परमात्मा है, इसलिए असीम आनंद की प्राप्ति भी उसी में संभव है। सांसारिक वस्तुएं क्षणिक सुख देती हैं, पर उनके खेने का

दुःख उस सुख से कहीं अधिक गहरा होता है। संसार में दिखाई देने वाला अधिकांश दुःख वस्तुओं या संबंधों की हानि से उपजी पीड़ा ही है। ज्ञानी व्यक्ति इस पीड़ा से इसलिए विचलित नहीं होते, क्योंकि वे जानते हैं कि दुःख का मूल कारण अपने संस्कार हैं। इकाई का व्यक्तित्व अपने आप में पूर्ण नहीं है, इसलिए जब तक वह स्वयं को संपूर्ण सत्ता में विलीन नहीं करता, तब तक दुःखों से पूर्ण मुक्ति संभव नहीं। साधकों के कष्ट भी उन्हीं संस्कारों के परिणाम होते हैं, जिनको उन्होंने स्वयं अपने कर्मों से निर्मित किया है। इसलिए प्रतिक्रियाओं से भ्रमभीत होने का कोई आधार नहीं है। दुःख के क्षणों में साधक को दूसरों को दोष देने के बजाय अपने पूर्व कर्मों का आत्ममंथन करना चाहिए और भविष्य में गलत आवरण से दूर रहने का संकल्प लेना चाहिए। उसे यह स्मरण रखना चाहिए कि जब तक निपत्तियों की अग्नि में संस्कार जलकर भस्म नहीं होते, तब तक कष्टों का अनुभव करना ही पड़ता है।

विचार-मंथन

इन्दौर, गुरुवार 25 दिसम्बर 2025

06 **दैनिक अवन्तिका**

सुशासन दिवस (25 दिसम्बर)

भारतीय राजनीति के कीर्तिस्तंभ भारत रत्न अटल जी

25 दिसम्बर को वंदनीय अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन है। उनका नाम जेहन में आते ही उनके प्रति लोगों का मन श्रद्धा से भर जाता है। अटल जी राजनैतिक क्षेत्र में नैतिकता, शुचिता, गरिमा और मयादां के पक्षधर थे। जनसंघ से चुनकर संसद पहुंचने वाले वे सबसे कम उम्र के युवा सांसद थे। अपनी प्रतिभा, शालीनता तथा वक्तृत्व शैली से उन्होंने संसद में अमिट छाप छोड़ी।

अटल जी के जीवन की शुरुआत एक पत्रकार के रूप में हुई और कालांतर में लेखक, कवि एवं साहित्यकार के रूप में वे ख्याति अर्जित करते गये। जनसंघ के संस्थापक सदस्य, कई बार सांसद, विदेश मंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा संसदीय दल के नेता, लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता, तत्पश्चात 3 बार देश के प्रधानमंत्री रहे अटल बिहारी वाजपेयी सच्चे अर्थों में साधुमना जननेता थे। इतने बड़े-बड़े पदों को सुशोभित करने के बावजूद उन्होंने अहंकार को अपने पास भटकने नहीं दिया। पद का मद कभी उनके सिर पर सवार नहीं हो पाया। राजनीति की काजल-कोठरी में अटल जी पर एक भी दाग उनके सम्पूर्ण जीवन में नहीं लगा।

भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे अटल जी

वाजपेयी जी का संपूर्ण जीवन शांति, सह-अस्तित्व, समता, समानता, न्याय और बंधुत्व के आदर्शों का परिपालन करते हुए बीता। वे एक सच्चे राष्ट्रवादी थे और राष्ट्रीय हित के लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठकर अपने विचार रखते थे। उनका टकराव पर नहीं, सहयोग पर विश्वास था। चाहे वे सत्ता में रहे हों, या फिर विपक्ष में, राष्ट्रहित से संबंधित मुद्दों पर सबकी राय लेते थे, सबको साथ लेकर चलते थे। अटल जी का नाम वैश्विक स्तर के नेताओं में शुमार था। उन्होंने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय जगत में मानवता, संवाद और मेल-मिलाप पर आधारित राजनैतिक आचार-विचार व नवाचार की शुरुआत की, जो एक



मिसाल बन गई। मानवीय संवेदना से ओतप्रोत उनका हृदय क्षण भर में लाखों लोगों को उनसे जोड़ देता था। वे पारस्परिक सौहार्द बनाने वाले तथा संबंधों को बढ़ाने वाले एक सदाशयी नेता थे। वास्तव में वे भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे।

भारत के विकास के स्वर थे अटल जी

अपने प्रधानमंत्रित्व काल में अटल जी ने पारदर्शी, जवाबदेह, जनहितैषी शासन व्यवस्था की आधारशिला रखी। उन्होंने स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के माध्यम से देश के चारों कोनों को आपस में जोड़कर प्रमुख औद्योगिक, कृषि, रक्षा, पर्यटन, शिक्षा और सांस्कृतिक केन्द्रों को संसाधन उपलब्ध कराया। किसान क्रेडिट कार्ड, सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा सर्व शिक्षा अभियान शुरू किया। उनके नेतृत्व में देश के विकास की बड़ी लम्बी फेहरिस्त है। यह भी प्रासंगिक है कि अटल जी के आदर्शों को अपनाकर हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को विश्वगुरु बनाने के लिए सतत कटिबद्ध हैं।

वाजपेयी जी भारत को आर्थिक एवं सैन्य दृष्टि से एक मजबूत राष्ट्र के रूप में देखना चाहते थे और इस दिशा में उनके द्वारा जो कदम उठाए गये, वे निःसंदेह स्तुत्य हैं। लोकतंत्र की रक्षा और 21वीं सदी के सशक्त व सुरक्षित भारत के लिए अटल जी ने जो क्रिया, वह अविस्मरणीय है। उन्होंने लगभग सात दशकों तक विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए देश की सेवा की। साथ ही पोखरण में परमाणु परीक्षण कर भारत को

परमाणु शक्ति सम्पन्न बनाया। हिन्दी भाषा को उन्होंने संयुक्त राष्ट्र अधिवेशन में जो गौरव दिलाया था, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। बतौर भारत के विदेश मंत्री उन्होंने दुनिया भर के शीर्ष राजनयिकों के समक्ष हिन्दी में भाषण देकर इसे अपने जीवन का सबसे सुखद क्षण कहा था।

अटल जी मेरे अभिभावक स्वरूप रहे

अटल जी से मेरे पारिवारिक आत्मीय रिश्ते रहे हैं। उनके दोनों भतीजे इंजीनियर श्री श्याम बिहारी वाजपेयी तथा डॉ. रसिक बिहारी वाजपेयी मेरे अभिन्न मित्र हैं। जब मैं राजनीति में नहीं आया था, तब अटल जी से उनके भतीजों के साथ भोपाल में अक्सर मिला करता था। सन्-1984 में जब मैं राज्यसभा में पहुंचा, तो मुझे अटल जी का आत्मीय स्नेह और मार्गदर्शन मिला। जब वे प्रधानमंत्री थे, तब मैं राज्यसभा में विपक्ष में डिप्टी चीफ क्लिप था। विपक्ष में रहते हुए मैं तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी पर व उनकी सरकार पर यदा-कदा कटाक्ष व प्रहार करता था, उन्होंने इस पर कभी बुरा नहीं माना बल्कि सहज भाव से उन्होंने मुझे सीख दी कि मुखरता के साथ और बोला करो, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हम भी इंदिरा जी के खिलाफ मुखरता से बोला करते थे। मैं अपने आप को बहुत सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे संसद में स्वनाम धन्य अटल बिहारी वाजपेयी के साथ काम करने का मौका मिला। मैंने उन्हें नेता प्रतिपक्ष के रूप में भी देखा-सुना और प्रधानमंत्री के रूप में भी। इन पंक्तियों को लिखते समय मुझे आज भी ऐसी अनुभूति हो रही है कि मानों अटल जी संसद में लोकहित से जुड़े किसी मुद्दे पर बोल रहे हैं और समूचा सदन उन्हें तल्लीनता से सुन रहा है। सत्ता में रहते हुए अटल जी ने हमेशा विशाल हृदय का परिचय दिया। उन्होंने कभी प्रतिशोध की भावना से निर्णय नहीं लिया। मिसाल के तौर पर जब उनके प्रधानमंत्रित्व काल में एस.पी.जी. (संशोधन) विधेयक 2003 आया, जिसके अनुसार पूर्व प्रधानमंत्रियों के बच्चों को एस.पी.जी. न देने की बात कही गई थी, तब मैंने एक संशोधन दिया था कि पूर्व प्रधानमंत्री के बच्चों को श्रेट परसेप्शन के आधार पर एस.पी.जी. की सुविधा मिलनी चाहिए।

25 दिसंबर जयंती: भारत रत्न महामना पं. मदनमोहन मालवीय

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव मे नरेंद्र मोदी ने नामांकन दाखिल करते वक्त महामना के सुपुत्र गिरधर मालवीय को प्रस्तावको मे शामिल रखा और साथ लिया। ये एक अद्वितीय पहल थी जिसने साबित किया की महामना किसी एक दल के न होकर संपूर्ण भारतवर्ष के थे । इंदिरा टीवी के प्रसिद्ध कार्यक्रम आपकी अदालत मे ए आईएमईआईएम के प्रमुख असदुद्दीन औवैसी ने भी महामना का जिक्र एक अच्छे संदर्भ मे किया। तात्पर्य यह की वे शुरूआत से लेकर मृत्युपरंत भी एक सर्वमान्य व अविवादित नेता रहे। हाल ही मे शुरू की गई महामना एक्सप्रेस जो कि एक द्रुतगति की रेलसेवा है जिसके माध्यम से रेल मंत्रालय ने महामना के नाम को जीवंत बनाये का अभिनव प्रयास किया है।

उनकी 150 वीं जयंती पर रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया ने 5 रु. व 150 रु. के विशेष सिक्के महामना पर जारी किए थे जो प्रचलन में हैं। महामना के सन्दर्भ में वर्तमान परिदृश्य में भी वर्णन किया गया है दूरदर्शन के राष्ट्रीय

प्रसारण मे तत्कालीन लोकसभा चैनल (अब संसद टेलीविजन) द्वारा महामना पर एक वृत्तचित्र बनाया गया है। प. मालवीय चूँकि मालवा क्षेत्र से संबद्ध थे अतः मालवीय उपनाम को वरीयता दी व देश में प्रतिष्ठा पाई। उनकी वेशभूषा भी पारंपरिक थी, साफा, अचकन, पायजामा उन्हें विशिष्ट पहचान प्रदान करता रहा और हिन्दी, अंग्रेजी के अलावा मालवी बोली भी मिठास में चुली थी। महामना का मूल मंत्र मुझे न तो राज्य की कामना है, न स्वर्ग की और न ही मोक्ष की। मेरी तो बस यही कामना है कि दुःख से संतप्त प्राणियों के कष्ट को दूर कर सकूं ।उपरोक्त ध्येय वाक्य को जीवन का ध्येय बनाकर महामना की विशिष्ट संज्ञा पाई तथा उत्तरार्द्ध में देश के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान भारत रत्न से नवाजे गये। पं. मदन मोहन मालवीय से महामना व भारत रत्न तक का सफर कड़े संघर्ष का परिणाम है । उनके कई प्रेरक प्रसंग है जो हमें प्रोत्साहित करते हैं ।

घर में भक्तिमय वातावरण व ब्राह्मण परिवार होने से भोजन, भगवान के भोग के उपरान्त ही मिलता था । अतः मठा व बासी रोटी विद्यार्थी जीवन में महामना का मुख्य व प्रिय भोजन था । अपने कठोर परिश्रम व योग्यता के द्वारा उन्होंने लगभग एक हजार एकड़ से अधिक के क्षेत्र में

जन्म जयंती पर विशेष

अटल जी शांति, शक्ति, और शंखनाद के पुरोधा थे

किसी भी मनुष्य के जीवन को किसी एक लेख के माध्यम से समेटा नहीं जा सकता है। ऐसे ही अटल बिहारी वाजपेई एक ऐसा नाम है, जो अपने लिए ही नहीं, बल्कि देश के जनायक और नायक के रूप में जाना जाता है। 25 दिसम्बर, 1924 को जन्मे एक साधारण परिवार के अटलजी पिता पंडित कृष्ण बिहारी वाजपेयी ग्वालियर, मप्र,रियासत में बस गए। अटलजी को भारत के प्रधानमंत्री पद पर तीन बार रहने का सौभाग्य मिला।

भारत रत्न के साथ भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी अपने आदर्शों, ओजस्वी वाणी, साहित्यिक विरासत, एवं व्यवहार कुशलता से जीवन भर देश के नागरिकों का भरपूर स्नेह एवं सम्मान प्राप्त करने वाले 1996 में पहली बार प्रधानमंत्री बने थे । 13 अक्टूबर, 1999 को उन्होने दूसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के पद को संभाला।

विद्वता, देश प्रेम, भाषाई ज्ञान, और समय की नब्ज को पकड़ने की कला उन्हें सबसे अलग बनाती है। वे स्पष्ट वक्ता थे-वे माँ सरस्वती के ऐसे जानी पुत्र थे, जो कि वाकपटुता के धनी धाराप्रवाह बोलने की क्षमता रखने वाले एक कुशल ओजस्वी वक्ता भी थे। उनके जीवन का हर क्षण, शरीर का एक-एक कण माँ भारती व भारतीय समाज के हितों के कार्य के लिए समर्पित था। वे आधुनिक भारत के राष्ट्र निर्माता थे, उन्होंने देश को एक नई दिशा देकर देश के नागरिकों की दशा

बदलने में बहुत सारे सकारात्मक बदलाव किए थे।वे 12 वीं लोक सभा के 12 वें प्रधानमंत्री थे। अटलजी ने कहा -र स्वतंत्रता की अनिवार्य शर्त है, राष्ट्रीय एकता के लिए लोकतंत्र जरूरी है। अनन्यता सुखी भवतः। स्वदेशी की प्रगति हो । महिलाओं को सम्मान मिले। युवा शक्ति ही राष्ट्र की शक्ति है, इसमें वृद्धि हो।अटलजी के कार्यों की जितनी भी चर्चा की जाए वह कम है। 11 मई, 1998 का वह गौरव दिवस याद है, जब पोखरण परमाणु परीक्षण की पहचान भारत के लिए एक महाशक्ति के रूप में ऊभरी थी, यह उपलब्धि प्रधानमंत्री रूप में अटल जी की सबसे पहले प्रभावी पहल मानी गई। यह परीक्षण भारत के लिए शक्ति और संप्रभुता का शंखनाद था। अटलजी के भाषणों में उस समय की समस्याएं भविष्य की योजनाएं देश और वैश्विक संबंधों की चिंताएं परिलक्षित होती थी। द्वापर युग में जो सम्मान व प्रतिष्ठा के साथ जो स्थान भीष्म पितामह को प्राप्त था, वही सर्वोच्च स्थान अटल जी को मिला था और निर्विवाद रूप से यह कहा जा सकता है कि वे अपने कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति वैसे ही प्रतिबद्ध रहे थे जैसे प्रतिज्ञाएं भीष्म पितामह की लेते थे । भीष्म पितामह जैसी सुदृढ़ता अटल जी में देखी जा गई थी। उनके भाषणों में उस समय की समस्याएं , भविष्य की योजनाएं ,देश और वैश्विक संबंधों की चिंताएं परीक्षित होती थी। उनके भाषणों में विश्व के महान विद्वानों वेद पुराण, संतों, ग्रंथों के उदाहरण मिलते थे। हमारे देश के नागरिक ही नहीं बल्कि विश्व स्तर के नागरिक भी अटलजी के भाषणों

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना की जहाँ सौ से अधिक इमारतें, हजारों शिक्षक, लाखों दुर्लभ ग्रन्थ व विभिन्न संकायों के शिक्षण कार्य की शुरूआत की। यह निश्चित ही गर्व का विषय है कि उस दौर में इस विश्वविद्यालय का निर्माण लगभग दो करोड़ की राशि से हुआ और इस तरह आगे बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक के रूप में वैश्विक पहचान स्थापित की । उनका दूसरा रुच थे भी था की एक ओर तो वे धन संग्रह में जी जान से जुटे थे, परन्तु व्यक्तिगत तौर पर एक बार विपरीत स्थितियों में किसी जरूरतमंद मित्र के परिवार की मदद के लिए घर में उपलब्ध धातु के भगवान को व्यावहारिक रुप में उपयोग में ले लिया ताकि उस संकट से उबारा जा सके।वहीं देशसेवा के लिए क्रांतिकारियों की ओर से न्यायालय में सशक्त तर्कपूर्ण वकालत कर सैकड़ों देशभक्तों को फाँसी के फन्दे से मुक्त कराया तब उनकी कार्यशैली से अंग्रेज वकील व न्यायाधिकारी भी खासे प्रभावित हुए। 1932-33 में काशी में दंगा हुआ और कई दिनों तक जारी रहा। सहयता के लिए जो कमेटी बनी उसका अध्यक्ष महामना को बनाया गया । महामना को अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के साथ-साथ बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक व अधिवक्ता के रुप में मिली।

इसलिए अपने दुखों के लिए दूसरों में दोष खोजना व्यर्थ है। दरअसल, वे आपको ही क्रियाओं की प्रतिक्रियाएं हैं। साधक को अपने चिंतन का केंद्र अनादि और अनंत सत्ता को बनाना चाहिए। वही एकमात्र ऐसी सत्ता है, जो कभी विचलित नहीं होती। जहां स्थान का भेद नहीं, वहां गति भी नहीं। जिसमें सब कुछ समाहित है, उसमें भला हलवल कैसे हो सकती है? फिर भी वह मन से भी अधिक तीव्र है, क्योंकि उसकी विचार-शक्ति ही सृष्टि की समस्त गतिविधियों को दिशा देती है। अद्वितीय उस सत्ता को पूरी तरह समझ नहीं सकती, क्योंकि उनकी गति बाह्य वस्तुओं की ओर होती है। तथाकथित स्थिर वस्तुएं उसकी मानसिक तरंगों की बाह्य अभिव्यक्तियां मात्र हैं। उसकी आनंदमयी सत्ता मन के क्षेत्र से परे, अपनी मूल अवस्था में स्थित है। जब साधक अपनी इस आनंदमयी सत्ता को भली-भांति पहचान लेता है, तब कहा जाता है कि वह ब्रह्म में स्थित हो गया है।

भारत पर 'सदैव अटल'



राष्ट्रवाद की अलख जगा कर, वह चलें पाञ्चजन्य का शंखनाद करके राष्ट्रधर्म व स्वदेश के मंथन में लगे रहे, पूरा जीवन उनका रहा भारत पर सदैव अटल।

उन्होंने भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दिखाया, राष्ट्र को समर्पित जीवन रहा सदा उनका दूरदर्शी सोच और कवि हृदय में भी भारत सबसे पहले, नये भारत के नव निर्माण में वह थे सदैव अटलहू। आत्मनिर्भर भारत के सजग प्रहरी, विश्व गुरु का मान बढ़ाया, सुशासन के सिध्दांतों को उन्होंने देश में करके दिखाया राष्ट्र निर्माण की इस वेदी पर उन्होंने हिन्दी का मान बढ़ाया, भारत पर वह और उनके विचार हैं अमर, क्योंकि वह है सदैव अटल। मातृभूमि पर आँख दिखाने वालों को उन्होंने बहुत समझाया, तभी तो भारत को परमाणु शक्ति का उन्होंने बल दिलाया स्वर्णिम चतुर्भुज प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से देश को आगे बढ़ाया, एक स्वयंसेवक, जनसंघ से जुड़ कर देश के प्रधानमंत्री रहे, जो सदैव अटल।

उन्होंने हमेशा कहा कि वो कुछ भी हार नहीं मानूंगा, उनके इस कर्तव्य बोध से हम सभी कुछ सीखें। नई पीढ़ी ऐसे राष्ट्र पुरुष व कर्मयोगी का जीवन पढ़े, जिन्होंने अपना सब कुछ भारत माता के चरणों में समर्पित कर दिया, और जो रहे सदैव अटल॥

हरिहर सिंह चौहान

पञ्चांग राशिफल	
दिवानों - 25 दिसंबर 2025 गुरुवार सूर्योदय - 07:09 सूर्यास्त 17:45 पौष मास शुक्ल पक्ष राहुकाल - 13:30 से 15:00 तक तिथि - पंचमी 13:43 उपरांत घड़ी नक्षत्र - धनिष्ठा 08:18 उपरांत राशिभाषा शतभिषा योग - वज्र 15:13 उपरांत सिद्धि करण - बालव चन्द्रमा - दिन पूर्ण कुंभ में रहेगा। मुस्लिम मास - रज्जब मास 04 तारिख	
पेष-	मेहनत का फल मिलेगा। घर-बाहर घूट-परख रहेगी। धकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी।
वृषभ-	भूमि, आवास की समस्या रह सकती है। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दौंपत्य जीवन सुखद रहेगा।
मिथुन-	भाव्यान्तति के प्रयास सफल रहें। भेंट व लहारा की प्राप्ति होगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मेंानुकूल रहेगें।
कर्क-	जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाव्यान्तति के अवसर आएंगे।
सिंह-	बकाया वस्तुकी के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी।
कन्या-	घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए।
तुला-	व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी।
वृश्चिक-	समय ठीक नहीं है। वाहन, मशीनी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा।
धनु-	लेन-देन में सावधानी रखें। विवाद न करें। दौंपत्य जीवन सुखद रहेगा।
मकर-	सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाए रखें। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा।
कुंभ-	किसी आन्दोलनमें में भाग लेने का अवसर मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।
मीन-	कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी। मित्रों में आएका वर्चस्व बढ़ेगा।
-पुं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा (भरदीवाले) 9926034545	

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5750 डंकी, चना 4800 से 5000 विशाल, 8100 मेहू मिल क्वालिटी 2650 से ,5500 से 5550 मसूर 6000, 2675 लोकबन 2850 से 2900, महाराष्ट्र सफेद 6500 से 6600, पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज, , महाराष्ट्र लाल 6600 से 6800, 2750 से 2775 मक्का 1550, कर्नाटक गन्ना 6000 से 6900 तुअर, से 1600 चना दाल 7300 से निमारी 6200 से 6600 मूंग बेरत 7400 मॉडियम 7500 से 7600 मूंग 7800 से 8200 मूंग बेरत 7800 से 8000 तुअर दाल 7100 से 7200 मॉडियम बोल्ट 8100 से 8300 एग्रेज 8300 से 8400 बेरत 9100 से 6500 से 6700 मोगर 5500 9200 एक्स्ट्रा बेरत 10000 से से 6500 उड़द गन्ना 7000 से 10100 ब्रांडेड 10700 मूंग दाल 7200 एवर्जिन 6200 से 6500 9900 से 9200 बेरत 9600 हल्का उड़द 3000 से 5000 से 9800 मूंग मोगर 9600 से काबुली डॉलर 8000 से 8500 9700 बेरत 1000 से 10200 काबुली शीरापन 5500 से 5700 बिटकी 5100 से 5300 सरसो उड़द दाल 8600 से 8800 बेरत (मॉडियम) 8000 से 8200 9000 से 9200 उड़द मोगर निमाड़ी 8400 से 8500 राखड़ा 9800 से 1000 बेरत 10100 6200 से 6400 सोयाबीन 4300 से 10200 मसूर दाल 7450 से से 4500 अलसी 8200 से 8500 7550 बेरत 7650 से 7750 रुपए तिल्ली 8000 से 9000 टोली 4000 से 4200 तिल्ली 8000 से पन विवंदल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 1300 से 1500 आलू चिप्स 1500 से 1900 ज्योति पुराना 1000 से 1500 राशन आलू 900 से 1100 लूला 300 से 700, प्याज महाराष्ट्र 1600 से 1900 प्याज लोकल 1000 से 1400 एवर्जिन 500 से 700 गोल्ड 600 से 800 गोल्टी 300 से 500 , लहसून सुपर बोरेक 7000 से 7500 मॉडियम 4000 से 5000 बारिक 3000 से 4500 रुपए प्रति क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकबन मेहू- 2250-2950, चना काबली- 3026-8251, चना बड़ा- 4749-5790, बटरना- 2400-4150, राई- 6260, सोयाबीन- 1875-5551, राजमा- 6500, मावा- 280 प्रतिकिलो। सोना-चौंदा- सोना-स्फेण्ड- 1,40,000, रना- 1,39,800 चौंदा- दंच- 2,19,000 पाट- 2,18,700।

उज्जैन किराना
अशोक कुमार भगवानदास
152 फवरा चौक उज्जैन
किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोलिया 55 से 85, चावल की टुकड़ी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तुवर दाल निमाड़ी 130,तुवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तुवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 8

गेल टाउनशिप चोरी के मामले में गुना पुलिस को मिली सफलता

गुना। जिले के विजयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गेल टाउनशिप चोरी के मामले में गुना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना क्षेत्र के गेल केम्पस में घटित नकबजनी के प्रकरण में सक्रियता से कार्यवाही करते हुए प्रकरण में एक आरोपी गिरफ्तार कर चोरी गया माल बरामद किया है। पुलिस की विवेचना के दौरान व्यवहारिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए सीसीटीव्ही कैमरों, सीडीआर रिपोर्ट इत्यादि का अध्ययन करते हुए अज्ञात आरोपियों की तलाश/पतारसी हेतु एक एसआईटी टीम का गठन किया गया एवं इनाम उद्घोषित किया गया। शुरुआती जांच में राधोगढ़ टोल, पगारा टोल, पाखरियापुरा टोल आदि व अन्य स्थानीय सीसीटीव्ही फुटेज को संग्रहित कर लगातार चैक किया गया व सामने आए तथ्यों के आधार पर एसआईटी टीम को सागर, इंदौर, धार, झाबुआ खाना किया गया जहां पर विभिन्न टोल व स्थानीय कैमरों के चैक किया गया। प्रकरण में एसआईटी टीम व थाना विजयपुर पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे थे, पूर्व में किए गए कई प्रयास स्थानीय व भौगोलिक परिस्थितियों के कारण विफल हुए। इसी क्रम में संदेहियों की पहचान होने के उपरंत पुलिस टीम द्वारा संभावित स्थानों पर लगातार दबिशें दी जाकर आरोपियों को गिरफ्तारी के लगातार प्रयास किये जा रहे थे किंतु आरोपीगण शांति होकर अपराधिक प्रवृत्ति के थे, जो जंगल में अलग-अलग टपरे बनाकर अस्थायी निवास पर रह रहे थे, इसलिए काफी मशकत के उपरांत प्रकरण के संदेही पप्पू पुत्र बूलर भाबर उम्र 26 साल निवासी ग्राम खनिअम्बा थाना टाण्डा जिला धार म.प्र. से हिकमत अमली से पूछताछ की गई। स्वीकारोसी प्रदान की गई बाद आरोपी गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय प्रस्तुत कर पुलिस रिमाण्ड लिया गया।

क्रिसमस , ईसाई धर्म का पवित्र पर्व

हरदा। विश्वभर के ईसाई समुदाय क्रिसमस डे को यीशु मसीह के जन्मोत्सव के रूप में अत्यंत उत्साह और श्रद्धा से मनाते हैं, जो बाइबल के नए नियम के सुसमाचारों के अनुसार बेथलेहम शहर में एक साधारण अस्तबल में हुआ था जहां मरियम और यूसुफ के पुत्र के रूप में यीशु का अवतरण प्रेम, शांति और मानवता के उद्धार का प्रतीक बना, इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि रोमन साम्राज्य के सूर्य देवता सोल इन्विक्टस के जन्मोत्सव से जुड़ी है जिसे चौथी शताब्दी में पोप जूलियस प्रथम ने आधिकारिक रूप से यीशु जन्म की तिथि घोषित कर दी, चर्चों में मध्यरात्रि की विशेष प्रार्थना सभाएं, कैरोल गान की मधुर धुनें और मोमबत्ती जलाकर प्रार्थना करना प्रमुख परंपराएं हैं, क्रिसमस ट्री को जर्मन परंपरा से लिया गया सदाबहार पाइन का पेड़ रंगीन लाइट्स, सुनहरे स्टार, सजावटी गेंदों और उपहारों से सजाया जाता है जो आशा और नई शुरुआत का प्रतीक हैं, सैंटा क्लाउड या सेंट निकोलस की कथा चौथी सदी के तुर्की के संत से प्रेरित है जो बच्चों को गुप्त रूप से उपहार बांटेते हैं और उत्तरी ध्रुव से स्लेज पर आते हैं, परिवारों में विशेष भोज में रोस्ट टर्की, प्लम पुडिंग, पेक्ट केक काटना और क्रिसमस कार्ड्स के माध्यम से शुभकामनाओं का आदान-प्रदान होता है, भारत में गोवा के चर्चों, दिल्ली के सैक्रेड हार्ट कैथेड्रल, कोझिकोड की सड़कों और मुंबई के होटलों में भव्य सजावट वा लाइटिंग देखने को मिलती है जहां भाँचारे के साथ उत्सव मनाया जाता है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने खालवा क्षेत्र में विकास कार्यों का निरीक्षण किया

खण्डवा। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने बुधवार को खालवा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का दौरा किया। सुशासन सप्ताह के दौरान प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत आयोजित इस दौरे में कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्रामीण क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों का जायज़ा लिया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा उनके साथ थे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बुधवार को ग्राम झिरपा, रोशनी और पटाल्दा ग्रामों का दौरा किया। ग्राम झिरपा में स्कूल के निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाई गईं, जिस पर वहां के संकुल समन्वयक के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश कलेक्टर श्री गुप्ता ने दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने भ्रमण के दौरान झिरपा में स्कूल के साथ साथ पंचायत कार्यालय, आंगनवाड़ी और गौशाला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम पटाल्दा के पंचायत कार्यालय का भी निरीक्षण किया तथा मियावाकी पद्धति से किए गए पौधरोपण एवं वाटरशेड सम्बंधी कार्यों को देखे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्राम रोशनी में गौशाला का भी निरीक्षण किया एवं पंचायत सचिव को आवश्यक निर्देश दिए।

जिला सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक 26 दिसम्बर को

खण्डवा। अनुसूचित जाति एवं जनजातीय अत्याचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत गठित जिला सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक 26 दिसम्बर को होगी। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री संतोष शुक्ला ने बताया कि यह बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में दोपहर 3 बजे से आयोजित की गई है। बैठक में अत्याचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत अज्ञाक थाना जिला खण्डवा में लंबित प्रकरणों के निराकरण, अत्याचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत स्वीकृति के लिए प्राप्त प्रकरणों के सम्बंध में समीक्षा की जाएगी।

दिशा की बैठक 30 व 31 को

खण्डवा। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक आगामी 30 एवं 31 दिसम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित होगी। यह बैठक दोपहर 12 बजे से आयोजित की गई है। बैठक में क्षेत्रीय सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि बैठक में वन विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, बीज निगम, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, प्रधानमंत्री ग्राम सडक, म.प्र. सडक विकास निगम के निर्माण कार्यों की प्रगति, लोक निर्माण विभाग भवन तथा सडक एवं पीआईयू व सेतु निर्माण के कार्यों, राष्ट्रीय जल जीवन मिशन पीएचई के कार्यों, जल निगम द्वारा जिले में किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

आलू-प्याज के बजाय खेतों में लहलहा रही अश्वगंधा और चिया सीड की फसल

कृषि वैज्ञानिकों की टीम ने किया निरीक्षण

दैनिक अवन्तिका **»** **शाजापुर**

जिले में खेती-किसानी के पारंपरिक ढ़रें में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। कभी आलू, प्याज और लहसुन की खेती के लिए पहचाने जाने वाले शाजापुर के किसान अब औषधीय और मसाला फसलों की ओर रुख कर रहे हैं। लागत में बढ़ोतरी और जंगली जानवरों द्वारा फसलों को किए जा रहे नुकसान से तंग आकर किसानों ने अब

खोरिया नायता में दिखा सफल प्रयोग

ग्राम खोरिया नायता में किसानों ने बड़े स्तर पर यह शुरुआत की है, जहां किसान किशन गोपाल बैरागी ने 3 बीघा में चिया सीड, महेश पाटीदार ने 2 बीघा में अश्वगंधा और संतोष पाटीदार ने 2 बीघा में चिया सीड की फसल लगाई है। इनके सफल प्रयोग को देखकर आसपास के अन्य किसान भी प्रेरित हो रहे हैं।

वक्फ बोर्ड की जमीन खाली कराकर वहां बसाए जाएं बांग्लादेशी हिंदू- साध्वी प्राची

दैनिक अवन्तिका **»** **शाजापुर**

फायरब्रांड हिंदूवादी नेता साध्वी प्राची बुधवार को अपने शाजापुर प्रवास के दौरान आक्रामक अंदाज में नजर आईं। प्रसिद्ध मां राजराजेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर गहरी चिंता जताई और भारतीय राजनेताओं सहित धर्मगुरुओं की चुप्पी पर तीखे सवाल खड़े किए। साध्वी प्राची ने बांग्लादेश के हालात का जिक्र करते हुए कहा कि वहां हिंदुओं पर जुल्म की पराकाष्ठा हो रही है। उन्होंने दीपू नाम के बालक की नृशंस हत्या का उदाहरण देते हुए पूछा, बांग्लादेश की कसरत देखकर भी भारत के तथाकथित बुद्धिजीवी, नेता और मंत्री चुप क्यों हैं? उन्होंने देश के शंकराचार्यों को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि धर्म की रक्षा के लिए



उन्हें इस संवेदनशील मामले में मुखर होकर बोलना चाहिए।

वक्फ की जमीन पर शरणार्थियों को बसाने की मांग- साध्वी ने भारत सरकार से एक बड़ी मांग करते हुए कहा कि बांग्लादेश में प्रताड़ित हो रहे हिंदुओं को भारत में

शरण दी जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि वक्फ बोर्ड के कब्जे वाली जमीनों को खाली कराया जाए और वहां इन पीड़ित हिंदू शरणार्थियों को बसाया जाए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग द कश्मीर फाइन्स को काल्पनिक बताते थे, उन्हें आज

हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने साध्वी प्राची का जोरदार स्वागत किया। मंदिर परिसर में दर्शन के दौरान सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में हिंदू संगठनों के पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

26 दिसंबर को उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा ‘वीर बाल दिवस’, कलेक्टर ने दिए निर्देश

शाजापुर।

साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजदा फतेह सिंह के सर्वोच्च बलिदान की स्मृति में 26 दिसंबर को जिले में वीर बाल दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा प्रतिभाओं का पोषण करना, उनमें रचनात्मकता को बढ़ावा देना और उन्हें विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रेरित करना है। कलेक्टर ऋजु बाफना ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि इस दौरान जिले में विभिन्न स्तरों पर रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि बच्चों और युवाओं के लिए उनकी आयु वर्ग के अनुसार प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। कलेक्टर ने बताया कि इस दिन चित्रकला, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, निबंध लेखन, रचनात्मक लेखन, कहानी सुनाना और महापुरुषों के बलिदान पर आधारित संवाद किए जाएंगे।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार ने भवनस्वामी श्री सत्यप्रकाश शर्मा पिता श्री गोपाल शर्मा निवासी 261 एलआईजी सेकण्ड इंदिरा नगर बैंक ऑफ इंडिया के सामने आगर रोड़, उज्जैन के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का भवन क्रमांक 261- एल.आय.जी. स्थित इन्दिरा नगर कालोनी उज्जैन में है, उक्त भवन एक मंजिला आर.बी.सी. की छत का निर्मित है, उक्त भवन का कुल क्षेत्रफल 99.45 वर्गमीटर है उक्त भवन फीहोल्ड है, तथा उसकी भूमि लीजहोल्ड राईट की है। जिसकी चर्तुसीमा पूर्व की ओर एल.आय.जी. 262, पश्चिम की ओर एल.आय.जी. 260, उत्तर की ओर- ईडब्ल्यूएस प्लांट नं. 587, दक्षिण की ओर- 18.00 मीटर रोड़ है, पैमाइश लम्बाई -13.00 मीटर चौड़ाई -7.65 मीटर, उक्त संपत्ति को मेरे पक्षकार ने क्रय करने का सौदा कर लिया है, तथा आंशिक बयाना राशि अदा कर दी है। अतः उक्त वर्णित संपत्ति किसी भी बैंक, पेढी, निगम, वित्तीय संस्था आदि का कोई ऋण, भार, बकाया हो, उक्त वर्णित संपत्ति में किसी अन्य का कोई हक, हित, हिस्सा व सुखाधिकार हो या इस विक्रय बाबत किसी को कोई आपत्ति आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना से 7 (सात) दिवस के अंदर अपनी आपत्ति मय लेखी प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करे। ताकि उसका उचित निराकरण किया जा सके अन्यथा मियाद गुजरने पश्चात किसी की कोई आपत्ति आदि मान्य नहीं होगी। सो सूचित हो। इति दिनांक 24-12-2025 स्थान उज्जैन

शूभम नगरिया एडव्होकेट

दुकान नंबर सी 2/12 महाकाल वाणिज्यक केन्द्र

नानाखेडा उज्जैन

मो. 97706-66658

अश्वगंधा और चिया सीड को विकल्प बनाया है।

क्यों कम हुआ आलू-प्याज का मोह- किसानों का कहना है कि आलू, प्याज और लहसुन जैसी फसलों में लागत बहुत अधिक आती है। ऊपर से जंगली जानवरों का आतंक आए दिन खड़ी फसल चौपट कर देता है। सबसे बड़ी समस्या बाजार भाव की है, जब किसान भारी लागत लगाकर फसल मंडी ले जाता है, तो उसे अक्सर सही दाम नहीं मिलते, जिससे लागत निकालना भी मुश्किल हो जाता है। इसी आर्थिक नुकसान से बचने के लिए जिले के कई गांवों में नई फसलों का प्रयोग शुरू हुआ है। किसानों का कहना है कि औषधीय फसल में कम लागत, इसमें खाद, बीज और पानी का खर्च बहुत कम है। साथ ही कड़वाहट और विशेष गंध के कारण जंगली जानवर इन फसलों को नुकसान नहीं

विशेषज्ञों की टीम ने जाना हाल

किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन देने और फसल की स्थिति देखने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र और विशेषज्ञों की टीम ने खेतों का निरीक्षण किया। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र से डॉ. जी.आर. अंबावतिya, कृषि विभाग से मुकेश सोनगरा, राजस्व विभाग से हट्का पटवारी ममता महिलाल उपस्थित रहीं। साथ ही भारतीय किसान संघ के जिला मंत्री मुकेश पाटीदार, जिला कोषाध्यक्ष ललित नागर एवं तहसील मंत्री ज्ञान सिंह गुर्जर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण किसान मौजूद रहे। विशेषज्ञों ने किसानों को बेहतर उत्पादन के गुर सिखाए और इस बदलाव को जिले की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत बताया।

भाजपा ने चलाया स्वच्छता अभियान, दीपोत्सव भी हुआ

गुना। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी पर मनाए जा रहे अटल स्मृति वर्ष एवं वीर बाल दिवस के तहत भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला गुना के नेतृत्व में जन्मजयंती के अवसर पर बुधवार सुबह जयसंभ चौराहा पर स्वच्छता अभियान चलाया वहीं पूर्व संस्था पर दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।आयोजन पर प्रकाश डालते हुए जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार ने अपने संबोधन में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अटल जी भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। वे तीन बार भारत के प्रधानमंत्री बने। उनके कार्यकाल में भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षण कर विश्व मंच पर अपनी शक्ति का परिचय दिया। साथ ही उन्होंने पड़ोसी देशों से शांति और संवाद को बढ़ावा देने का प्रयास किया। बस यात्रा के माध्यम से भारत-पाक संबंधों में सुधार की पहल उनकी दूरदर्शिता का उदाहरण है। वे सदैव लोकतंत्र, सहिष्णुता और संवाद में विश्वास रखते थे। अटल जी के विचार और कार्य आज भी देशवासियों को प्रेरणा देते हैं। वे भारतीय राजनीति के ऐसे नेता थे, जिन्होंने शब्दों और कर्मों दोनों से राष्ट्र की सेवा की। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह धाकड़ ने कहा कि कल 25 दिसंबर को भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती को पूरे देश में सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। अटलजी की जन्म शताब्दी के अवसर पर भाजपा द्वारा विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मशताब्दी वर्ष के अंतर्गत पखवाड़ा सप्ताह मनाया जाएगा साथ ही चित्रकला प्रतियोगिता, ग्राफिक्स एवं रील प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी, मोर्चा की बहने एवं पार्षद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने भूमि स्वाभी 01. प्रहलाद पिता श्री भगवान सिंह, निवासी उज्जैन से उनके एकल स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे क्रमांक- 272/4/2 रकबा 0. 11 हेक्टर एवं भूमि स्वामी गोपाल पिता श्री भगवानसिंह, निवासी उज्जैन से उनके एकल स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे क्रमांक-272/4/1 रकबा 0.11 हेक्टर भूमि जो कि ग्राम तालोद तहसील व जिला उज्जैन (म.प्र.) में स्थित है। उपरोक्त वर्णित भूमि को क्रय करने की सोदा मेरे पक्षकार ने किया है तथा विक्रय प्रतिलफल की बयाना राशि अदा कर दी है। यदि उक्त भूमि को विक्रय या अतरित किए जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तथा उक्त संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति, सरथा, बैंक, निकाय, शासकीय, अर्द्धशासकीय संस्था का या स्थानीय शासन का कोई ऋ ण भार, बोझ, हित, अधिकार, आधिपत्य, दानग्रस्त व प्रतिभूति ग्रस्त, अनुबंधग्रस्त, सौदा चिद्दी, बंधकग्रस्त, डिड्डी या वारिसान आदि का कोई हक, हित या मार हो या इस विक्रय संव्यवहार में कोई आपत्ति हो या मूल दस्तावेज कहीं बंधकग्रस्त हो तो यह मय प्रमाण के मुद्देसे इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 07 दिवस में मय प्रमाण मुझे लिखित में आपत्ति मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद अवधि गुजर जाने के पश्चात् उक्त संपत्ति का विक्रय पत्र का पंजीकृत करवा लिया जावेगा। तत्पश्चात् कोई आपत्ति मेरे पक्षकार के हितों पर बंधनकारक नहीं होगी।

सो सूचित हो। इति दिनांक 24.12.2025

राजेश बाठिया एडव्होकेट

ए-5, भरतपुरी काम्पलेक्स, देवास रोड़, उज्जैन

मो-98272-64140

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि भूमि आराजी सर्वे नंबर-816 रकबा 0-3800 हेक्टेयर, सर्वे नंबर-817/2/1 रकबा 0.2200 हेक्टेयर व सर्वे नंबर-817/2/2 रकबा 0.3000 हेक्टेयर ग्राम करोहन तहसील व जिला उज्जैन (म.प्र.) में स्थित हैं, उपरोक्त वर्णित कृषि भूमि सर्वे नंबर-816 रकबा 0.3800 हेक्टेयर, सर्वे नंबर-817/2/1 रकबा 0.2200 हेक्टेयर व सर्वे नंबर-817/2/2/2 रकबा 0.3000 हेक्टेयर इस प्रकार कुल कित 3-तीन कुल रकबा 0.9000 हेक्टेयर ग्राम करीहन तहसील व जिला उज्जैन (म.प्र.) को मेरे पक्षकार ने भूमिस्वामी श्रीमती रेखाबाई पति श्री तेजकरण राठौर, निवासी-ग्राम करीहन तहसील व जिला उज्जैन म.प्र. से क्रय करने का अनुबंध कर टोकन / बयाना राशि भू-स्वामी को अदा कर दी है, जल्द ही शेष राशि अदा कर अनुबंध-पत्र / विक्रय-पत्र का निष्पादन करवाया जाना हैं। उक्त भूमि पर किसी व्यक्ति, संस्था, वित्तीय निकाय, बैंक, पेढी, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था आदि का किसी भी प्रकार का कोई स्वत्व, हित व अधिकार अथवा भार, बोझ, दान, विक्रय, बखशीश, क्लेम आदि हो अथवा किसी भी प्रकार का कोई सुखाधिकार हो अथवा इस विक्रय व्यवहार में किसी प्रकार की आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के 7 दिन में अपनी आपत्ति या क्लेम मय प्रमाण के मेरे कार्यालय में आकर प्रस्तुत करें, ताकि उसका निराकरण किया जा सके, अन्यथा मेरे पक्षकार अपने हित में उक्त संपत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन कर लेंगे व उक्त अवधि गुजर जाने के पश्चात किसी भी प्रकार की कोई क्लेम, आपत्ति मान्य नहीं होगी। इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के पश्चात उक्त भूमि के संबंध में कोई भी व्यक्ति उक्त भूमि क्रय करने का व्यवहार नहीं करे। इति दिनांक- 24/12/2025

दीपिका सावरकर अभिभाषक

ऑफिस शांप नं. ए 17 भरतपुरी काम्पलेक्स उज्जैन

मो. 9827299159

न्यूज-कॉलम

शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने सुशासन की शपथ ली

मन्दसौर। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा स्थापित सुशासन के उच्चतम मापदंडों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए उनके जन्म दिवस 25 दिसंबर के एक दिन पूर्व, 24 दिसंबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय में सुशासन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सभी शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को सुशासन की शपथ दिलाई गई। डिप्टी कलेक्टर शुभम पाटीदार ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों से सुशासन की शपथ दिलवाई। सुशासन दिवस के अवसर पर जिले के अन्य शासकीय कार्यालयों में भी अधिकारियों और कर्मचारियों को सुशासन की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सभी अधिकारी गण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

अज्ञात कारण से युवक ने खाया जहर, उपचार दौरान हुई मौत

नीमच। शहर के समिति ग्राम हिंगोरिया रेलवे फाटक के समय रहने वाले एक युवक ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ सल्फास खा ली । जिसके कारण अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। हिंगोरिया फाटक के समीप रहने वाले विशाल पिता गुड्डु लाल भोल उम्र २५ वर्ष ने अज्ञात कारणों से सल्फास खाकर की आत्महत्या। कल सुबह काम पर जाने का बोलकर निकला था पर से। आज जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सोपा जायेगा।

वृहद हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा

नीमच। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी स्थापना के समय से ही हिन्दुओं की एकता ,पुनर्जागरण और उनके कल्याण के उद्देश्य को लेकर कार्य कर रहा है। संघ की स्थापना के इस शताब्दी वर्ष में पूरे देश में हिन्दू धर्मावलम्बियों के सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है इसी कड़ी में नीमच नगर के विभिन्न क्षेत्रों और कालोनियों में वृहद हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है यह जानकारी देते हुए हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति के संयोजक अजय भटनागर ने बताया कि इस हेतु नीमच नगर में विभिन्न स्थानों पर हिन्दू सम्मेलनों के आयोजन हेतु आवश्यक तैयारी की जा रही है । इन आयोजनों में वृहद हिन्दू समाज की एकता और कल्याण के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के योगदान व कार्यों पर चर्चा की जायेगी साथ इन सम्मेलनों में जाति-पाति, छूआछूत,भेदभाव से मुक्त समाज पर बल दिया जाएगा।

कस्तूरबा नगर में विकसित हुआ बाल उद्यान

रतलाम। वार्ड क्रमांक 12 कस्तूरबा नगर क्षेत्र की पार्षद एवं निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा मनोज शर्मा के विशेष प्रयासों से कस्तूरबा नगर रोड नंबर 6 स्थित बगीचे को आकर्षक बाल उद्यान के रूप में विकसित किया गया है। सौन्दर्यीकरण, हरिखाली और बच्चों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए विकसित किए गए इस बाल उद्यान का लोकार्पण महापौर प्रहलाद पटेल द्वारा भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय एवं पार्षद श्रीमती मनीषा मनोज शर्मा की उपस्थिति में किया गया। लोकार्पण अवसर पर महापौर प्रहलाद पटेल ने कहा कि शहर में बच्चों के लिए सुरक्षित और मनोरंजन से भरपूर स्थान विकसित करना नगर निगम की प्राथमिकताओं में शामिल है।

बांग्लादेश के विरोध में सड़कों पर उतरे हिंदू संगठन

रतलाम। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार और नरसंहार के खिलाफ बुधवार को बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद का गुस्सा फूट पड़ा। कार्यकर्ताओं ने दोपहर में सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया और बांग्लादेश का पुतला फूँका। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और चेतावनी दी कि हिंदुओं पर हो रहे हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। प्रदर्शनकारी दोपहर करीब १ बजे घांस बाजार चौराहे पर जमा हुए। यहां उन्होंने विरोध जताने के लिए एक अन्नूठा और आक्रामक तरीका अपनाया। कार्यकर्ताओं ने पहले बांग्लादेश के पुतले को जूतों की माला पहनाई और फिर उसे आग के हवाले कर दिया।

काव्य संकलनों का विमोचन आज २५ दिसम्बर को

रतलाम। साहित्यिक संस्था अनुभूति रतलाम की स्थापना के स्वर्ण जयंती वर्ष के अन्तर्गत वरिष्ठ कवि गीतकार हरिशंकर भटनागर का 8 वां काव्य संग्रह स्वर्ण रेखा के किनारे से तथा कैकेयी का पक्षाताप (खंड काव्य) का विमोचन 25 दिसंबर को अपराह्न 3 बजे सेलाना रोड गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज के सामने निजी होटल में किया जायेगा।

स्कूल वैन पलटी, 15 बच्चे घायल, स्टीयरिंग फैल होने से हुआ हादसा

‘दैनिक अवन्तिका’ ➤ रतलाम

जिले के ढोढर के पास बुधवार दोपहर एक स्कूल वैन (मैजिक) पलटने से हड़कंप मच गया। वैन में करीब 15 बच्चे सवार थे। गाड़ी पलटते ही बच्चे एक-दूसरे पर जा गिरे और चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मदद के लिए दौड़े और बच्चों को बाहर निकाला।

हादसे में सभी बच्चों को चोटें आई हैं। ग्रामीणों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए पलटी हुई मैजिक को सोधा किया और घायल बच्चों को ढोढर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। गनीमत रही कि कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई।

चिकलाना से ढोढर जा रही थी वैन

जानकारी के अनुसार, मैजिक वाहन

सौहार्द और सदभाव के साथ होली क्रॉस कन्वेंट स्कूल में धूमधाम से मना क्रिसमस पर्व

‘दैनिक अवन्तिका’ ➤ पिपलिया मंडी

स्थित होली क्रॉस कन्वेंट स्कूल में क्रिसमस पर्व बड़े हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया तथा विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में प्रभु यीशु के जीवन पर आधारित नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रेम, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में कक्षा 10वीं की छात्रा अनन्या शर्मा एवं अनुष्का धनोतिया, कक्षा 11वीं के छात्र शारीब खान तथा कक्षा 12वीं के छात्र यशपाल चौधरी ने एंकर की भूमिका निभाई।

समारोह में विद्यालय के अभिभावकगण एवं नगर के गणमान्य अतिथियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता



चिकलाना स्थित एक प्राइवेट स्कूल के विद्यार्थियों को लेकर ढोढर की ओर जा रहा था। चिकलाना से कुछ दूर निकलते ही वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। ग्रामीणों ने बताया कि बच्चे दहशत में थे। उन्होंने कांच फोड़कर और दरवाजे खोलकर बच्चों को रेस्क्यू किया।

हादसे में स्कूल की शिक्षिका सरिता बगड़ समेत कई बच्चे घायल हो गए। बताया जा रहा है कि करीब 7 बच्चों को

सौहार्द और सदभाव के साथ होली क्रॉस कन्वेंट स्कूल में धूमधाम से मना क्रिसमस पर्व



की। विशेष अतिथि के रूप में पिपलिया नगर की होनहार छात्रा कृतिका घंटिया, जिन्होंने हाल ही में राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा में 9वीं रैंक प्राप्त कर सिविल जज पद पर चयन हासिल किया है, अपने अभिभावकों सहित उपस्थित रहीं। उन्होंने सभी को क्रिसमस की शुभकामनाएँ देते हुए विद्यार्थियों को

प्रेरणादायी संदेश दिया। उन्होंने विद्यालय में आयोजित प्रत्येक गतिविधि में सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण, उचित योजना और शिक्षकों के मार्गदर्शन से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन सिस्टर मेरी लैला अलेक्स एवं फादर इन्दनाथन ने कृतिका घंटिया को उनकी उल्लेखनीय सफलता पर विद्यालय परिवार की ओर से शुभकामनाएँ एवं सम्मान प्रदान किया। विद्यालय की प्राचार्या ने भी सभी को क्रिसमस पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए इस पर्व के सामाजिक एवं मानवीय महत्व को रेखांकित किया।

अटल स्मृति पर्व संकल्प दिलाता है कि राजनीति राष्ट्रसेवा और लोक कल्याण का साधन

भाजपा कार्यालय पर बैठक में अजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्री परिहार ने कहा

‘दैनिक अवन्तिका’ ➤ मन्दसौर

राष्ट्र प्रथम की नीति पर चलते हुए प्रधानमंत्री के रूप में अटल जी ने पोखरण परमाणु परीक्षण कर अपने मजबूत इरादे विश्व को दिखा दिये थे केवल राजनीतिक निर्णयों के माध्यम से अटल बिहारी वाजपेयी के पूरे व्यक्तित्व को नहीं समझा जा सकता।

उक्त बात अटल जन्म शताब्दी वर्ष को लेकर जिला भाजपा कार्यालय पर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुये अजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भगवानसिंह परमार ने कही। आपने कहा कि अटलजी का जीवन यह सिखाता है कि लोकतांत्रिक परंपराओं, राष्ट्रीयता, व्यक्तिगत जीवन में शुचिता, सकारात्मकता और धैर्य के साथ राष्ट्र व समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन किस प्रकार करना है। 25 दिसंबर

मंसूरी और रेहाना मंसूरी शामिल हैं।

पेरेंट्स का फूटा गुस्सा, बच्चों को घर ले गए

सूचना मिलते ही बच्चों के परिजन और पुलिस मौके पर पहुंच गई। अपने बच्चों को घायल देख परिजन भड़क गए और उन्होंने स्कूल प्रबंधन की लापरवाही पर आक्रोश जताया। जिन बच्चों को मामूली चोटें थीं, उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद परिजन अपने साथ घर ले गए।

स्टीयरिंग फैल होने की आशंका हादसा कैसे हुआ, इसका अभी तक स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है, लेकिन शुरूआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि मैजिक का स्टीयरिंग फैल होने की वजह से ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महापौर प्रहलाद पटेल ने किया निर्माण कार्य का भूमि पूजन

रतलाम। वार्ड क्रमांक 2 स्थित पीएनटी कॉलोनी व मालवा नगर में सीमेन्ट कांक्र्रीट सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन महापौर प्रहलाद पटेल ने विधिवत पूजा अर्चना कर किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष श्रीमती सोना शर्मा, क्षेत्रिय पार्षद श्रीमती कविता महावर के अलावा महेन्द्र कटारिया, शैलेन्द्र सिंह अठाना, कुसुम चाहर, पार्षद श्रीमती यास्मीन शैरानी, कमरुद्दीन कछवाय, श्रीमती आशा रावत, पूर्व पार्षद राजीव रावत, पार्षद प्रतिनिधि हितेश पैमाल, सुनील महावर, किरण महावर, भगवती जेतपुरिया, रश्मि सिंह, प्रदीप राठौर, नन्दू गोठवाल, रशीद भाई, रामजीलाल, त्रिलोक सिंह आदि उपस्थित थे। महापौर प्रहलाद पटेल ने बताया कि वार्ड क्रमांक 2 में टावर वाली गली नम्बर १, मालवा नगर में वैभव दूध डेरी से मंगल किराना स्टोर तक तथा पीएनटी कॉलोनी में गली नम्बर 3 हनुमान मंदिर वाली गली में चुन्नीलाल ठेकेदार के मकान से दुर्गा आरओ वॉटर तक 33.60 लाख की राशि से सड़क निर्माण किया जायेगा।



पेट्रो केमिकल फैक्ट्री में झूलसे चार में से एक मजदूर की मौत

नीमच। नीमच के झंझारवाड़ा स्थित औद्योगिक क्षेत्र में पेट्रोकेमिकल फैक्ट्री में हुई आगजनी की घटना में झूलसे चार लोगों में से एक व्यक्ति की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद गंभीर दो घायलों को रेफर किया गया था। जिनमें से एक मजदूर लालूराम की मौत हो गई। जिससे समाज जन व परिजन भड़क गए। और फैक्ट्री गेट के वहां प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस थाना प्रभारी श्री डांगी व फैक्ट्री प्रबंधन ने परिजनों से चर्चा की। परिजनों की मांग पर मीडिया के सम्मुख समाज के अध्यक्ष प्रभु लाल बागरी ने कहा कि मृतक के परिजन को मुआवजा देना चाहिए। अंत में प्रबंधन की ओर से परिजनों को 15 लाख का चेक सौंपा। वही मृतक के परिवार को गुजरे के लिए 15 हजार राशि मासिक देना तय हुआ। इसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ ।

अमृत गार्डन में वूमेन्स फॉर ट्री कैपेन के तहत वृक्षारोपण



पिपलियामंडी। नगर परिषद पिपलियामंडी द्वारा कनघड़ी मार्ग स्थित अमृत गार्डन में वूमेन्स फॉर ट्री कैपेन के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम नगर परिषद पिपलियामंडी एवं साधना स्वसहायता समूह के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ डल्लेखनीय है कि इससे पूर्व इसी गार्डन में रन फॉर ग्रीन कैपेन के तहत गनेड़ीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से जनभागीदारी के साथ बृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया गया था। गनेड़ीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट, मंदसौर द्वारा बगीचे के विकास हेतु पौधे, पाइपलाइन, ट्यूबवेल मोटर, पानी की टंकी सहित आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था कर पौधों के संरक्षण हेतु सहयोग प्रदान किया गया था। इन पौधों का निरंतर रखरखाव साधना स्वर सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में अब नगर परिषद एवं सहायता समूह द्वारा गार्डन की शेष भूमि पर भी वृक्षारोपण किया गया।

डेफोडिल्स स्मार्ट स्कूल में खेलोत्सव का हुआ रंगारंग शुभारंभ



पिपलियामंडी। नगर के डेफोडिल्स स्मार्ट स्कूल में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता "खेलोत्सव 2025" का भाजपा जिलाध्यक्ष श्री राजेश दीक्षित द्वारा शुभारंभ किया गया। शुभारंभ समारोह में विद्यार्थियों द्वारा उत्कृष्ट पेरंड का प्रदर्शन किया गया, नन्हें विद्यार्थियों द्वारा थीम पेरंड निकाली गई। शुभारंभ अवसर पर योग, पी टी आदि का प्रदर्शन किया गया। मुख्य अतिथि श्री राजेश दीक्षित द्वारा ध्वजारोहण कर खेलों के विधिवत शुभारंभ की घोषणा की गई। इस अवसर पर मल्हारगढ़ भाजपा मण्डल अध्यक्ष श्री आशीष विजयवर्गीय, सांसद प्रतिनिधि श्री इंद्रजीत भट्ट, समाजसेवी, चेयरमैन रूपचंद होतवानी, डायरेक्टर विनोद शर्मा, प्रिंसिपल प्रिया शर्मा एवं बड़ी संख्या में अभिभावकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन छात्रा कु. अपेक्षा चौधरी एवं कु.शैलजा मूंदड़ा ने किया, आभार प्रकट शिक्षक गोविन्द अहीर द्वारा किया गया।

पिपलिया मंडी महाविद्यालय में सुशासन दिवस मनाया गया



पिपलिया मंडी। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा स्थापित सुशासन के उच्चतम मापदंडों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए उनके जन्म दिवस 25 दिसंबर के एक दिन पूर्व,24 दिसंबर 2025 को पंडित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय पिपलिया मंडी में सुशासन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री दिनेश चंद्र बोरीबली द्वारा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुशासन की शपथ दिलाई गई। शपथ के माध्यम से पारदर्शिता, जवाबदेही, ईमानदारी तथा जनहित में कार्य करने के संकल्प को दोहराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सुशासन के मूल्यों को आत्मसात करते हुए प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, जनोन्मुखी एवं उत्तरदायी बनाना रहा

विद्युत पेंशनरों ने 2 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन दिया

मन्दसौर। चार प्रमुख विद्युत पेंशनर संघों की संयुक्त मोर्चे के निर्णय अनुसार 2 सूत्रीय मांग पत्र जिसमें पहली सभी विद्युत पेंशनरों की पेंशन गारंटी ट्रेजरी से देना सुनिश्चित की जावे व दूसरी केन्द्र शासन द्वारा घोषित तिथि से महंगाई राहत दी जावे का ज्ञापन मुख्यमंत्री भोपाल को जिलाधीश के माध्यम से भेजे गये। उपरोक्त ज्ञापन जिला पेंशनर विद्युत मण्डल मंदसौर द्वारा रैली के रूप में चंबल कॉलोनी मंदसौर से सुशासन भवन स्थित जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर 250 पेंशनरों की उपस्थिति में तहसीलदार अभिषेक चौरसिया को सौंपा गया। विशेष रूप से विगत कई वर्षों से महंगाई राहत केन्द्र द्वारा घोषित तिथि से नहीं दिये जाने से सभी पेंशनरों में चोर असंतोष व्याप्त है। ज्ञापन का वाचन एच.सी. रायवाल द्वारा किया गया व ज्ञापन खूबचन्द शर्मा द्वारा प्रदान किया गया। आचार राधेश्याम गुप्ता ने माना। इस दौरान गरीठ, शाममहद, मल्हारगढ़, बोलिया, पिपलियामंडी आदि अनेक स्थानों से बड़ी संख्या में पेंशनरस उपस्थित रहे।

मुद्रक/प्रकाशक सुरेन्द्र मेहता द्वारा अवन्तिका प्रकाशन के लिए अवन्तिका ऑफसेट, 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, उज्जैन से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : सुरेन्द्र मेहता। फोन - उज्जैन : 0734-4041777, 9827771777, इन्दौर : 0731-4085777, 9827772777 e-mail : awantikapress@yahoo.com